हिन्दू नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

चैत्र नवरात्रि

वर्ष : 27 | अंक : 98 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 30 मार्च, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

प्रधानमंत्री ने दी नववर्ष और त्योहारों की शुभकामनाएं

"प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के अंत में देशवासियों को सभी त्योहारों की शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह समय एकता और समरसता का प्रतीक है। उन्होंने कहा, ''मैं देशवासियों को चैत्र नवरात्र, हिंदू नववर्ष, उगादि, गुड़ी पड़वा, बिहू, पोइला बोइशाख, नवरेह और आने वाली ईद की बहुत-बहुत बधाई देता हूं।''

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 'मन की बात' कार्यक्रम के 120वें एपिसोड में देशवासियों को चैत्र नवरात्र, गुड़ी पड़वा और हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, आज बहुत पावन दिन है और मुझे आपसे 'मन की बात' करने का अवसर मिला है। आज चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि है, जिससे भारतीय नववर्ष विक्रम संवत 2082 की शुरुआत हो रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि इस समय देशभर में विभिन्न त्योहारों की धूम है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में उगादि पर्व मनाया जा रहा है, महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा, असम में रोंगाली बिहू, बंगाल में पोइला बोइशाख और कश्मीर में नवरेह मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 13 से 15 अप्रैल के बीच त्योहारों का विशेष माहौल रहेगा और साथ ही ईद का त्योहार भी आने वाला है।

पीएम मोदी ने 'मन की बात' में फिटनेस और योग को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि दिल्ली में पहली बार फिट इंडिया कार्निवल का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 25 हजार लोगों ने भाग लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य फिटनेस को बढ़ावा देना और जागरूकता फैलाना था।

इसके अलावा, उन्होंने आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के लिए तय की गई थीम ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग'' की भी घोषणा की। उन्होंने लोगों से अपील की कि जो लोग अभी तक योग को अपनी दिनचर्या में शामिल नहीं कर पाए हैं, वे इसे अपनाएं और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाएं।

नागपुर में पीएम मोदी का दौरा, स्मृति मंदिर में श्रद्धांजलि और माधव नेत्रालय भवन की आधारशिला

नागपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यक्रम से पहले नागपुर में डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर का दौरा किया। यहां उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक एमएस गोलवलकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, संघ के पूर्व महासचिव सुरेश भैयाजी जोशी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागपुर में माधव नेत्रालय आई इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर के नए विस्तार भवन माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की आधारशिला भी रखी। यह संस्थान 2014 में स्थापित हुआ था और नागपुर में एक प्रमुख सुपर-स्पेशलिटी नेत्र चिकित्सा केंद्र के रूप में जाना जाता है। इसकी स्थापना दिवंगत आरएसएस प्रमुख माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर उर्फ गुरुजी की स्मृति में की गई थी।

प्रधानमंत्री के इस दौरे को लेकर नागपुर में विशेष तैयारियां की गई थीं। इस दौरान उन्होंने संघ पदाधिकारियों और अन्य गणमान्य लोगों से भी मुलाकात की।

मार्च में ही भीषण गर्मी

तापमान पहुंचा 40.6 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के पीतमपुरा क्षेत्र में तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे स्थानीय लोग चिंतित हैं। बीते सप्ताह पीतमपुरा दिल्ली का सबसे गर्म इलाका बना रहा, जहां अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। हालांकि, अब इसमें हल्की गिरावट देखने को मिल रही है, लेकिन मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ सकती है।

पीतमपुरा का तापमान राजधानी के अन्य इलाकों से दो से तीन डिग्री अधिक बना हुआ है। इसके पीछे कई स्थानीय कारण बताए जा रहे हैं, जिनमें बढ़ती इमारतें, हरियाली में कमी और आउटर रिंग रोड से नजदीकी प्रमुख कारण हैं।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, तापमान बढ़ने के कुछ स्थानीय कारण जरूर हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन भी एक बड़ा कारण है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि 1945 में सफदरजंग का तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा था, इसलिए पीतमपुरा में तापमान वृद्धि को असामान्य नहीं माना जा सकता।

पीतमपुरा में बीते कुछ दशकों में इमारतों की संख्या और आबादी में भारी इजाफा हुआ है। वर्तमान में यहां आठ से दस हजार फ्लैट और मकान हैं, जहां एक लाख से अधिक लोग निवास कर रहे हैं। क्षेत्र में 235 पार्क भी हैं, लेकिन बाहरी रिंग रोड से सटे होने के कारण वाहनों की भारी आवाजाही का असर भी तापमान पर पड़ रहा है।

नोएडा सेक्टर-12 स्थित भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर में भारतीय पर्व आयोजन समिति द्वारा नव संवत्सर 2082 के स्वागत में आयोजित राजा विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुए गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा।

पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, एक घायल, दो गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-142 पुलिस और बदमाशों के बीच चेकिंग के दौरान मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में एक शातिर अपराधी के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जिसे पुलिस ने मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। वहीं, उसका दूसरा साथी कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान पकड़ लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक अवैध हथियार, चोरी और लूट के पांच मोबाइल फोन और बिना नंबर प्लेट की एक कार बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, यह घटना चेकिंग के दौरान हुई, जब पुलिस ने संदिग्ध वाहन को रोकने का प्रयास किया। बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी कार्रवाई की। इस दौरान एक बदमाश को गोली लगी और वह घायल हो गया, जबकि दूसरा बदमाश मौके से फरार हो गया। हालांकि, बाद में पुलिस की टीम ने उसे कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार बदमाशों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। पुलिस को संदेह है कि यह गैंग नोएडा और आसपास के इलाकों में लूट और चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सेक्टर-40 के नाले से बढ़ी मुसीबत हजारों परिवारों को हो रही परेशानी

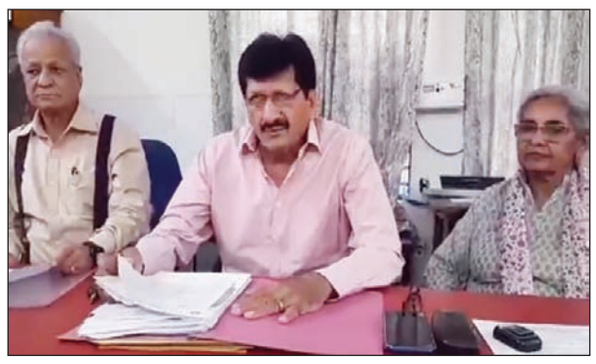

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-40 से सटा नाला सेक्टर वासियों के लिए एक गंभीर समस्या बन गया है। इस नाले से उठने वाली दुर्गंध के कारण हजारों परिवारों को सांस लेना तक मुश्किल हो रहा है। स्थानीय निवासियों की ओर से लंबे समय से इस नाले को ढकवाने की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।

इस नाले का लेवल सही न होने के कारण बरसात के दिनों में पानी सेक्टर के घरों में घुस जाता है, जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जलभराव की समस्या के कारण गंदगी फैलती है और संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। स्थानीय निवासियों ने कई बार प्रशासन से शिकायत की है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

सेक्टर-40 में अवैध अतिक्रमण और वेंडर जोन के कारण सड़कें पूरी तरह से जाम हो जाती हैं। यहां नजदीक स्थित स्कूल की करीब 80 बसें रोजाना सुबह और शाम को सेक्टर के अंदर से होकर गुजरती हैं, जिससे ट्रैफिक की समस्या और भी विकट हो जाती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन को जल्द से जल्द इस नाले को ढकने की योजना पर काम शुरू करना चाहिए और अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए सख्त कदम उठाने चाहिए। इसके अलावा, ट्रैफिक की समस्या को हल करने के लिए वैकल्पिक मार्गों का प्रबंध किया जाना चाहिए। सेक्टर-40 के निवासी जल्द समाधान की उम्मीद कर रहे हैं और यदि उनकी समस्याओं का हल नहीं निकला तो वे प्रशासन के खिलाफ बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन करने की योजना बना रहे हैं।

नई पहल : भंगेल सीएचसी में बनेगी कंगारू मदर केयर यूनिट

प्री-मैच्योर नवजातों को मिलेगा विशेष लाभ

नोएडा (चेतना मंच)। भंगेल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में कंगारू मदर केयर (केएमसी) यूनिट जल्द ही स्थापित की जाएगी। इस यूनिट की मदद से कम वजन के प्री-मैच्योर नवजातों को उनकी मां के सीने से लगाकर विशेष देखभाल दी जाएगी। इससे न केवल बच्चों का वजन बढ़ेगा, बल्कि मां और बच्चे के बीच भावनात्मक संबंध भी मजबूत होगा। जिले की अन्य सीएचसी में भी ऐसी यूनिट बनाने की योजना है।

भंगेल सीएचसी के मैटरनिटी विंग की अधीक्षक डॉ. मीरा पाठक ने बताया कि यहां 50 बेड का मैटरनिटी विंग जल्द शुरू होने वाला है। इस केंद्र में हर महीने 150 से 200 गर्भवती महिलाओं का प्रसव हो रहा है। पहले से ही यहां न्यूबॉर्न सिक यूनिट (एनबीएसयू) मौजूद है, और अब केएमसी यूनिट बनाने की प्रक्रिया चल रही है। अस्पताल का निरीक्षण भी किया जा चुका है।

कंगारू मदर केयर यूनिट शासन की ओर से बनाई जा रही है, जिसमें जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग का सहयोग रहेगा। इस पहल में टेक्निकल सपोर्ट कम्युनिटी एंपावरमेंट लैब द्वारा दिया जा रहा है।

प्रदेश में 2018 से शुरू हुई पहल

कम्युनिटी एंपावरमेंट लैब के अनुसार, उत्तर प्रदेश में पहली कंगारू मदर केयर यूनिट 2016 में लखनऊ के रानी अवंतीबाई महिला चिकित्सालय (डफरिन) में स्थापित की गई थी। इसके बाद 2018 से यह योजना प्रदेश भर में लागू की गई और अब तक कुल 331 केएमसी यूनिट स्थापित की जा चुकी हैं।

केएमसी से नवजातों को क्या होगा लाभ?

- मां के शरीर की गर्माहट मिलने से नवजात का वजन बढ़ता है।
- हाइपोथर्मिया (शरीर का अत्यधिक ठंडा हो जाना) का खतरा कम होता है।
- मां और शिशु के बीच भावनात्मक लगाव मजबूत होता है।
- एक्सक्लूसिव ब्रेस्टफीडिंग को बढ़ावा मिलता है।
- नवजात की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और उसका तनाव कम होता है।

भंगेल सीएचसी के अधीक्षक डॉ. यतेंद्र सिंह ने बताया कि इस यूनिट में 2500 ग्राम से कम वजन वाले नवजातों को उनकी मां अपने सीने से लगाकर रखती हैं।

जल्द होगी यूनिट की स्थापना

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि कंगारू मदर केयर यूनिट के लिए निरीक्षण पूरा कर लिया गया है। अब यह तय किया जाएगा कि इसे कब और कैसे स्थापित किया जाएगा। इसी के आधार पर आगे की प्रक्रिया तय होगी।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)
कोड 0910011910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *निःशुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

हिमाचली आचरण

हिमाचल के हर मंच पर सजता है करिश्मा, न तेरा न मेरा सारा सियासत का मसला है। राजनीति से हटकर कितना हिमाचल, कहां तक हिमाचल, यह जनता की अदालत का फैसला है जो रोज चर्चाओं का बाजार सजाती हैं। बहस में नैतिकता का प्रवेश बेशक इस बार चिट्टे को ले आया, लेकिन ऐसे अनेक विषय हैं, जहां राजनीति से ऊपर उठकर सभी को विशुद्ध हिमाचली आचरण में मुद्दों पर निष्पक्ष राय, सहमति और निष्पादन में एकजुटता पैदा करनी होगी। हर मसला राजनीतिक कीर्ति का नहीं हो सकता, लेकिन हिमाचल में दो धड़ों में विभक्त होकर चलना हमारी नियति बन गई है। बहस चुगली करती है, एहसास काम चोर हो जाता है और भरोसा झूठ की तलवारों से युद्ध करता है। मसलन उद्धार की अर्थव्यवस्था में इस बार भी बहस को निचोडकर हम केवल सरकारों के भाषण या विपक्ष के आरोप ही सुन सकते हैं। अंतत: जिस दिशा में प्रदेश बढ़ रहा है, वहां कर्ज निरंकुश होकर हमारे प्रयास और जज्बे पर ही प्रहार कर रहा है। कर्ज न धर्म में और न ही सियासत में कोई भेदभाव करता है। यह न तू की डाल-डाल है और न ही मैं पात-पात की संगत में बलिष्ठ है। हम कमजोर हैं क्योंकि सत्ता अपने ही मसलों और जनता की कमजोर ग्राहक हो गई है। कमजोर इतनी कि गारंटियों से गारंटियां भिड़ गईं-मुफ्त बिजली ने पक्ष और प्रतिपक्ष चुन लिया। अगर कोई विधायक यह कहता कि चिट्टा आरोपियों के केस कोई न लड़े, तो वकालत प्रोफेशन की हो जाती है। कोई यह कहे कि प्रदेश की आर्थिकी के सारे मुनाफे कर्मचारियों को न दिए जाएं, तो बहस में सिक्के उछाल कर यह प्रदेश 'सत्ता' को घूरने लगता है। आश्चर्य है कि हिमाचल में बहस के कई सींग हैं, लेकिन संघर्ष की चाल कोई चेहरा नहीं चलता। या मेरे साथ चलो या दूसरी तरफ जा कर मेरा कुफ्र झेलो। प्रदेश को जीवन दान चाहिए, आगे बढऩे की मोहलत चाहिए-अपनी जमीं-अपना आसमां चाहिए। इसी जमीं और आसमां की बात हर बार सरकारें करती हैं, लेकिन विपक्ष का दरिया उस पार बहता है। बहस अगर दरिया बने तो मौजूदा विपक्ष यानी केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा को दरियादिल बनना होगा। क्या हिमाचल विधानसभा में कांग्रेस दरिया बनी या भाजपा ने दरियादिली में अपने ही लोगों का दर्द समझा। मुलाकातें मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू को देश के गृहमंत्री तक ले जाती हैं, लेकिन प्राकृतिक आपदा के संदर्भ टूट जाते हैं। हमारी भौगोलिक परिस्थितियों पर अचानक राजनीतिक कडियों का कब्जा हो जाता है। न तू माने- न हम, न तू जाने-न हम, लेकिन इस मुलाकात में अब हमारे जीने की शर्तों की भी चोरी होने लगी। हिमाचल कल तक इन्हीं राहों पर विशेष राज्य था, आज जब मिले तो केंद्र ने बात तक न की। ऐसे में गौर से हिमाचल के बजट सत्र को सुनना होगा। क्या सत्ता ने ईमानदारी से संसाधन बांटे या जनादेश की इज्जत में बजट दिया गया। दूसरी ओर केंद्रीय बजट ने सियासत देखी या हिमाचल की सिसकियां देखीं। यह उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की दलील और अपील में प्रदेश की महत्त्वाकांक्षा है। बेशक नितिन गडकरी का महकमा हिमाचल की दिशाएं बदल रहा है, लेकिन योजनाओं के कई दरवाजे हमारे लिए अछूत हो गए। आश्चर्य यह कि प्रदेश में कांग्रेस के सत्ता में आते प्रगति के मुहावरे बदल गए। सामूहिक प्रयास के बजाय किश्तियां सागर से टकरा कर स्थिर हो गईं। हमारी बहस, न तू आगे और न ही तुझे आगे निकलने दूंगा। केवल इतनी सी सोच में हिमाचल की प्रगति का मैप हमेशा राजनीति की खींचतान में रहेगा। सदन के डिब्बे सदन में गिरते रहे, लेकिन वादों की रेल को बिलासपुर कौन पहुंचाएगा। हम काबिल नहीं कि पूछ पाएं कि अगर बिहार में तीन नए हवाई अड्डे देने पर केंद्र को खुशी हो रही, तो गगल हवाई अड्डे के विस्तार पर हिमाचल भाजपा को जवाब ढूंढना होगा। जवाब दोनों दलों को खोजना है कि आबादी के आधार पर सीटों का परिसीमन होता है, तो लोकसभा की एक सीट गंवा कर कौनसी पार्टी अति उत्तम घोषित होगी। क्या राजनीति छोडकर सदन की बहस में परिसीमन के बादलों से लोकसभा की एक सीट गंवाने का भय एकजुट कर पाएगा।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि असुरों को मदिरा और शिवजी को विष देकर तुमने स्वयं लक्ष्मी और सुंदर (कौस्तुभ) मणि ले ली। तुम बड़े धोखेबाज और मतलबी हो। सदा कपट का व्यवहार करते हो॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

बोले मधुर बचन सुरसाईं। मुनि कहँ चले बिकल की नाईं॥
सुनत बचन उपजा अति क्रोधा। माया बस न रहा मन बोधा॥

देवताओं के स्वामी भगवान ने मीठी वाणी में कहा- हे मुनि! व्याकुल की तरह कहाँ चले? ये शब्द सुनते ही नारद को बड़ा क्रोध आया, माया के वशीभूत होने के कारण मन में चेत नहीं रहा॥

पर संपदा सकहु नहिं देखी। तुम्हरें इरिषा कपट बिसेषी॥
मथत सिंधु रुद्रहि बौरायहु। सुरन्ह प्रेरि बिष पान करायहु॥

(मुनि ने कहा-) तुम दूसरों की सम्पदा नहीं देख सकते, तुम्हारे ईर्ष्या और कपट बहुत है। समुद्र मथते समय तुमने शिवजी को बावला बना दिया और देवताओं को प्रेरित करके उन्हें विषपान कराया॥

दो0-असुर सुरा बिष संकरहि आपु रमा मनि चारु।
स्वारथ साधक कुटिल तुम्ह सदा कपट ब्यवहारु॥

असुरों को मदिरा और शिवजी को विष देकर तुमने स्वयं लक्ष्मी और सुंदर (कौस्तुभ) मणि ले ली। तुम बड़े धोखेबाज और मतलबी हो। सदा कपट का व्यवहार करते हो॥

(क्रमश:...)

भारत के सशक्त स्वास्थ्य मोर्चे का दुनिया ने लोहा माना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वस्थ भारत मिशन' के तहत देश भर में चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से देश में व्यापक पैमाने पर बदलाव ही नहीं, बल्कि आमूल-चूल परिवर्तन आया है। यह बात हम नहीं कह रहे, बल्कि पूरी दुनिया इस योजना का लोहा मान रही है। संयुक्त राष्ट्र ने भारत में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के तहत शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की तारीफ की है। इतना ही नहीं यूएन ने प्रधानमंत्री मोदी की आयुष्मान भारत योजना को भी शानदार, अनूठी एवं प्रेरक बताया है। एक कार्यक्रम के दौरान विश्व निकाय ने 'आयुष्मान भारत' जैसी स्वास्थ्य पहलों का उदाहरण देते हुए शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में भारत के प्रयासों और प्रगति की सराहना की तथा इसे 'अनुकरणीय' बताया। मोदी सरकार के ऐसे कामों एवं उपलब्धियों की आलोचना करने वालों को प्रशंसा भी करनी चाहिए, क्योंकि अच्छे काम के लिए प्रशंसा सरकारों को मूल्यवान महसूस कराती हैं और उन्हें अपने काम के प्रति अधिक वफादार एवं जिम्मेदार बनाती हैं। अनेक शोध के अनुसार, जो देश एवं प्रांत अपनी सरकारों की उल्लेखनीय उपलब्धियों को मान्यता देते हैं, उनकी उत्पादकता और प्रदर्शन में अधिक वृद्धि देखी जाती है और दुनिया इसकी प्रशंसा करती है। प्रशंसा और आभार व्यक्त करने से समुदाय की भावना, जिम्मेदारी और राष्ट्र के लिये कुछ अधिक सशक्त करने का एक कारण मिलता है। ऐसे कारणों से नया भारत, विकसित भारत एवं सशक्त भारत का निर्माण होता है।

मोदी सरकार अनेक क्षेत्रों में अनूठा एवं विलक्षण करते हुए देश से न केवल गरीबी का कलंक मिटाया है बल्कि अनेक समस्याओं से मुक्ति भी दिलायी है। स्वास्थ्य मोर्चे पर भारत की उपलब्धियों आश्चर्यकारी रही है, कोरोना-काल में भारत ने दुनिया को स्वास्थ्य-सहायता पहुंचायी है। वर्ष 2000 के बाद भारत में नौनिहालों का जीवन बचाने की सार्थक एवं प्रभावी मुहिम छेड़ी है, जो एक बड़ी छलांग एवं उपलब्धि है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी के इस आकलन से मोदी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की रिपोर्ट में उन योजनाओं और कार्यक्रमों का उल्लेख किया गया है, जिनके चलते शिशुओं की मृत्युदर कम करने में सफलता मिली है। इसका अर्थ है कि बीते कुछ समय में स्वास्थ्य सेवाओं और ढांचे को बेहतर करने के लिए वास्तव में कई उल्लेखनीय कदम उठाए गए हैं। इनमें आयुष्मान भारत योजना भी है।

इसका उल्लेख भी संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने विशेष रूप से किया है। यह स्वास्थ्य संबंधी विश्व की सबसे बड़ी योजना है। यह निर्धन परिवारों के लिए वरदान सिद्ध हुई है। आश्चर्य नहीं कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा कि भारत ने रणनीतिक निवेश के माध्यम लाखों लोगों के जीवन को बचाने का काम किया है। आयुष्मान भारत योजना की उपयोगिता को देखकर ही हाल में 70 वर्ष की आयु के सभी बुजुर्गों को इस योजना के दायरे में लाया गया है।

मोदी सरकार अनेक क्षेत्रों में अनूठा एवं विलक्षण करते हुए देश से न केवल गरीबी का कलंक मिटाया है बल्कि अनेक समस्याओं से मुक्ति भी दिलायी है। स्वास्थ्य मोर्चे पर भारत की उपलब्धियों आश्चर्यकारी रही है, कोरोना-काल में भारत ने दुनिया को स्वास्थ्य-सहायता पहुंचायी है।

इसने दिखाया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, साक्ष्य-आधारित रणनीतियों और निरंतर निवेश से शिशु मृत्यु दर में ही नहीं, बल्कि अन्य स्वास्थ्य चुनौतियों में पर्याप्त कमी लाई जा सकती है।

संयुक्त राष्ट्र अंतर-एजेंसी समूह की बाल मृत्युदर आकलन रिपोर्ट में भारत, नेपाल, सेनेगल, घाना व बुरुंडी का उदाहरण दिया गया। वर्ष 2000 से भारत ने पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्युदर में 70 व नवजात शिशुओं की मृत्युदर में 61 प्रतिशत की कमी हासिल की है। स्वास्थ्य कवरेज बढ़ाने, सशक्त स्वास्थ्य नीतियों एवं योजनाओं से मौजूदा स्थिति को सुधारने के लिए किए गए उपायों के कारण ऐसा संभव हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हर गर्भवती महिला मुफ्त प्रसव की हकदार है और शिशु देखभाल संस्थानों में मुफ्त परिवहन, दवाएं, निदान और आहार इसमें सहायता प्रदान करती है। भारत ने प्रसूति प्रतीक्षा गृहों, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विंग, बीमार नवजात की देखभाल, मातृ देखभाल और जन्म दोष जांच के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। भारत ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए दाइयों व कुशल प्रसव सहायकों के प्रशिक्षण और तैनाती को भी प्राथमिकता दी है। दुनिया भर में लगभग एक अरब बच्चे पहले से ही उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का सामना कर रहे हैं और बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत 26वें स्थान पर है। रिपोर्ट में पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है कि जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा पर तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। लेकिन भारत इन स्थितियों में स्वास्थ्य चुनौतियों को कम करने के लिये सशक्त योजनाओं एवं सोच के साथ तत्पर है।

मोदी सरकार की प्रभावी स्वास्थ्य योजनाओं के बावजूद अब भी स्वास्थ्य के मोर्चे पर बहुत कुछ किया जाना बाकी है। बड़ी हकीकत यह भी है कि एक बड़ी संख्या में लोग सरकारी अस्पतालों में मजबूरी में ही उपचार कराना पसंद करते हैं। छोटे शहरों और गांवों में न केवल डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों की कमी है, बल्कि अस्पतालों और मेडिकल उपकरणों की भी। इसके चलते इन क्षेत्रों के लोग शहरों के बड़े अस्पतालों की ओर दौड़ लगाते हैं, जहां निजी क्षेत्र के अस्पतालों के मुकाबले सरकारी अस्पताल बहुत पीछे नजर आते हैं। यह सही है कि बीते कुछ वर्षों में अनेक नए मेडिकल कॉलेज खुले हैं, लेकिन सरकार के सामने बड़ी समस्या है कि इन मेडिकल कॉलेजों से निकले डॉक्टर ग्रामीण इलाकों में सेवाएं देने के लिए तैयार नहीं होते। सरकारी अस्पतालों को सशक्त एवं सर्वसुविधायुक्त किया गया है लेकिन समय के साथ उपचार महंगा होता जा रहा है। यदि किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति को निजी अस्पताल में उपचार कराना पड़ता है तो वह कर्जे में डूब जाता है। इसका एक कारण यह भी है कि अपने यहां स्वास्थ्य बीमा का उतना चलन नहीं, जितना आवश्यक है। सरकारें इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकतीं कि अधिक आयु के लोगों के लिए स्वास्थ्य बीमा महंगा होता जाता है और इसके बाद भी उसमें अच्छा-खासा जीएसटी लगता है। सरकार को अधिक प्रभावी स्वास्थ्य परिणामों के लिये स्वास्थ्य सेवाओं एवं दवाओं को जीएसटी से मुक्त करना चाहिए।

बच्चों की बढती आबादी के साथ नित नई चुनौतियाँ भी बढ़ेंगी। इसलिए इन चुनौतियों से निपटने के लिए बच्चों और युवाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और कौशल विकास में अधिक निवेश करना बहुत जरूरी है। जलवायु परिवर्तन से जुड़े खतरों से बहुत अधिक गर्मी, बाढ़, जंगल में आग और चक्रवात जैसी घटनाओं में आठ गुना वृद्धि होने का अनुमान है और इनका सीधा असर बच्चों पर पड़ेगा। निश्चित ही मोदी सरकार इन चुनौतियों से लड़ने में सक्षम है। एक अच्छा लीडर किसी चीज का ब्लेम थोड़ा ज्यादा लेता है और क्रेडिट लेने के मामले में पीछे रहता है। दरअसल, दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बिना कोई भी कार्रवाई स्थायी परिवर्तन लाने में विफल ही रहेगी। इतिहास अक्सर किसी आदमी से ऐसा काम करवा देता है, जिसकी उम्मीद नहीं होती। और जब राष्ट्र की आवश्यकता का प्रतीक कोई आदमी बनता है तब भले ही उसकी प्रशंसा क्यों न हो, उसका कद स्वत: बढ़ जाता है। मोदी ने इस युग को वह दिया जिसकी उसे जरूरत है, वह नहीं जिसकी कि वह प्रशंसा करे।

जीवन को परिभाषित करने तक ही प्रधानमंत्री मोदी उपदेश नहीं देते, अपितु उन्होंने भारत के जीवन को बदलने एवं जीवनस्तर को ऊंचा उठाने के कार्यक्रम दिये हैं जिनमें बूढ़े, बच्चे, महिलाएं, युवा सब होते हैं, वे उनसे सीधा सम्पर्क करते हैं एवं उन्हें दिशाबोध देते हैं। अब संयुक्त राष्ट्र ने मोदी के कार्यों एवं योजनाओं को अनुकरणीय एवं अनूठा माना है तो इससे देश का सीना तना है, गर्व से ऊंचा हुआ है। आपने 'साल' का वृक्ष देखा होगा- काफी ऊंचा! 'शील' का वृक्ष भी देखें- जो जितना ऊंचा है उससे ज्यादा गहरा है। आखिर इस गहराई को मापने वाले संयुक्त राष्ट्र का आभार। जो भी कोई मूल्य स्थापित करता है, जो भी कोई पात्रता पैदा करता है, जो भी कोई सृजन करता है, जो देश का गौरव बढ़ाता है, जो देश की ज्वलंत समस्याओं एवं त्रासदियों से मुक्ति दिलाता है, जो गीतों में गाया जाता है, उसे सलाम। मोदी के मजबूत इरादों एवं मनोबल को सलाम।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

हारे हुए विपक्षी नेता ने कहा (व्यंग्य)

बहुत समझदार जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से सरकार चुनी। घोड़ों का व्यापार बंद रहा। सरकारें अगर स्पष्ट बहुमत से चुनी जाती रही तो सचमुच पैसा उगाऊ व्यापार का क्या होगा। मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री भी बनाए गए ताकि सरकार की सफलता के लिए पारम्परिक क्षेत्रीय, जातीय, सभी पक्षीय संतुलन बना रहे।

हारे हुए, सुविधाहीन नेता ने पहला बयान दिया, यह सरकार अपना ही बोझ नहीं सह पाएगी। कुछ दिन तो ऐसे लगा बहुत भारी बयान दिया है। अगला बयान आया, इस सरकार ने लालच देकर चुनाव जीता। रविवार को शांत रहकर सोमवार को दावा किया कि पांच वर्ष से पहले ही हमारी पार्टी सत्ता पर काबिज होगी। इस खतरनाक कथन से लगा, किसी से उनकी संजीदा बातचीत चल रही है। फिर एक दिन बाजार में मिले कुछ लोगों से कहा, इन्हें सरकार चलानी नहीं आती। सरकार बदले की भावना से कार्य कर रही है।

हमारी पार्टी की सरकार ने आज तक, बदले की भावना से कार्य नहीं किया। भोली भाली जनता ठगा ठगा महसूस कर रही है। बिना चुनाव लडे खास लोगों को केबिनेट स्तर का रुतबा दिया है।

हम सरकार बनाते ही इस अनुभवहीन सरकार के कामकाज को रिव्यू करेंगे। जब चुनी हुई सरकार के किसी नुमायंदे ने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया तो हारे हुए नेता ने ज्यादा सख्त बयान दिया। उन्होंने कह डाला, शासक पार्टी के बंदों का, कुछ दिनों बाद, सड़क पर चलना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने यह नहीं बताया कि अंदोलन कितने दिनों बाद ऐसा होने वाला है। उनसे रहा नहीं गया, कुछ दिन बाद बोले हमारी विचारधारा नहीं हारी है, सरकार की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। नेताजी ने हार का ठीकरा चुनाव आयोग, ईवीएम, दुर्भाग्य और ठण्ड वगैरा पर फोड़ते हुए कहा कि इनकी पार्टी ने धन, बल और शराब के माध्यम से चुनाव प्रभावित किया। नैतिकता की हत्या कर दी है।

उन्होंने चुनाव हारकर भी, सहयोग के लिए सभी का धन्यवाद किया। कहा, अब हम विपक्ष की रचनात्मक भूमिका निभाएंगे। उन्होंने वोट न देने वालों को रोजाना मनपसंद गालियां देते हुए, भगवान से अनुरोध किया कि एक बार उनकी, एक बार हमारी सरकार बनने का आशीर्वाद दें। जनता ने विकास को अनदेखा कर, हमें धोखा देकर इस सरकार को बनाया है। भगवान कुछ ऐसी विकट परिस्थितियां पैदा करें कि सरकार ठीक से काम न कर सके, इनकी पार्टी में गतिरोध पैदा हो जाए, बीमारी फैल जाए और जनता दुखी हो जाए। जल्दी नहीं तो पांच साल बाद तो चुनाव हार ही जाएं और हमारी सरकार आ जाए।

हम सरकार बनाते ही इस अनुभवहीन सरकार के कामकाज को रिव्यू करेंगे। जब चुनी हुई सरकार के किसी नुमायंदे ने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया तो हारे हुए नेता ने ज्यादा सख्त बयान दिया।

जब सरकार नौ महीने तक सुचारू चलती रही तो उन्हें एहसास हुआ कि यह सरकार तो पांच साल निकाल ही लेगी और वे सचमुच चुनाव हार गए हैं। अब नेताजी ने महात्मा बुद्ध के बताए मार्ग पर नंगे पांव चलना शुरू कर दिया है। - **संतोष उत्सुक**

राशिफल

चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
विलासिता संबंधित वस्तुओं में वृद्धि। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान का साथ। व्यापार अच्छा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य और प्रेम, संतान मध्यम रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
कुटुंबों में वृद्धि होगी। धन का आवक बढ़ेगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार अच्छा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा। व्यापार अच्छा रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
चिंताकरी सृष्टि का सृजन हो रहा है। मन व्यथित रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान भी अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
आर्थिक स्थिति मजबूत होगी यात्रा का योग बनेगा। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। नए स्त्रोत बनेंगे पैसे रुपए के।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम, संतान, व्यापार अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। प्रेम, संतान अच्छा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति सुदृढ़ होगी। प्रेमी प्रेमिका की मुलाकात होगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। कार्य विघ्न बाधा के साथ संपन्न हो जाएगा। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम संतान मध्यम।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
लिखने पढ़ने में समय व्यतीत करेंगे। मानसिक स्वास्थ्य थोड़ा भावुकता में रहेगा। प्रेम, संतान लगभग ठीक है।

यूपी की भाजपा सरकार के 'शराब पर बंपर ऑफर' के खिलाफ़ प्रदर्शन

असली शराब घोटाला योगी सरकार में हुआ है : राकेश अवाना

नोएडा (चेतना मंच)। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने उत्तर प्रदेश

के सभी जिलों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शराब के बंपर ऑफर पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश सरकार की शराब नीति के खिलाफ था, जिसमें एक बोतल के साथ एक फ्री की पेशकश की जा रही है। कार्यकर्ताओं ने इसका तीव्र विरोध करते हुए राज्यपाल महोदया को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

गौतमबुद्ध नगर के जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने कहा कि योगी सरकार शराब को बढ़ावा देकर प्रदेश के युवाओं और समाज को नुकसान पहुँचा रही है। पार्टी ने सरकार से मांग की कि शराब की बिक्री को नियंत्रित किया जाए और इसके बुरे प्रभावों से बचने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं। पार्टी के नेताओं ने कहा कि ऐसे बंपर ऑफर समाज के नशे की समस्या को और बढ़ावा देंगे, जो पहले से ही गंभीर है।

युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पंकज अवाना ने कहा कि सरकार का यह कदम युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेलने का कार्य कर रहा है। महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष नीलम यादव ने कहा कि शराब की बढ़ती खपत से घरेलू हिंसा और महिलाओं पर अपराध के मामले बढ़ सकते हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार इस नीति को तुरंत वापस ले और समाज में नैतिक मूल्यों की रक्षा करे।

आम आदमी पार्टी ने यह भी कहा कि असली शराब घोटाला उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में हुआ है, सरकार को समाज के कल्याण के लिए काम करना चाहिए, न कि शराब जैसे नशे के कारोबार से राजस्व जुटाने के प्रयास में। पार्टी ने सरकार से यह भी आग्रह किया कि वह समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझे और शराब की बिक्री को लेकर सख्त नीतियाँ बनाएं।

इस विरोध प्रदर्शन में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें शराब के इस 卐बंपर ऑफर卐 को तत्काल बंद करने की मांग की गई है।प्रदर्शन में मुख्य रूप से संगठन मंत्री प्रशांत रावत, जिला सचिव विजय श्रीवास्तव, जिला सचिव प्रवीण धीमान, जिला सचिव जैकिशन जयसवाल, जिला सचिव प्रदीप सुनैया, कमल मावी,गौरव गौतम, जिला उपाध्यक्ष नवीन भाटी, जिला सचिव जीतू भाटी आदि कार्यकर्ता शामिल रहे।

स्वराज और सुराज का मंत्र महर्षि दयानन्द ने दिया: डा. राम चन्द्र

गाजियाबाद। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'महर्षि दयानन्द के सपनों का भारत' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन

किया गया।यह कोरोना काल से 706 वाँ वेबिनार था।

मुख्य वक्ता डॉ. रामचन्द्र (संस्कृत विभागाध्यक्ष, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय) ने कहा कि नवजागरण के पुरोधा, आर्यसमाज के संस्थापक एवं आधुनिक भारत के निर्माता महर्षि दयानन्द सरस्वती ने शिक्षा व्यवस्था, राजधर्म, इतिहास, स्त्री शिक्षा,आर्ष गुरुकुल परम्परा, कृषि एवं गोरक्षा, वेदों की यथार्थ व्याख्या एवं सच्ची उपासना पद्धति आदि विविध क्षेत्रों में अतुलनीय योगदान दिया है।उनके द्वारा रचित ग्रंथों,पत्र व्यवहार,शास्त्रार्थ, व्याख्यान एवं तत्कालीन समाचार पत्रों में प्रकाशित उनके विचारों के माध्यम से हमें उनके सपनों के भारत की स्पष्ट जानकारी प्राप्त होती है।वर्तमान भारत में गुरुकुल परम्परा,समान रूप से वेदाध्ययन एवं शिक्षा का अधिकार तथा गोरक्षा आदि असंख्य पक्षों के वे जन्मदाता हैं।भारत की स्वतंत्रता में स्वदेशी,स्वराज एवं सुराज का मंत्र भी प्रबल रूप से महर्षि दयानन्द ने ही दिया था।डॉ. रामचन्द्र ने कहा कि महर्षि दयानन्द के स्वस्थ,समृद्ध एवं सशक्त भारत निर्माण के अनेक सपने अभी अपूर्ण ही हैं।शिक्षा व्यवस्था के सन्दर्भ में महर्षि का स्पष्ट सन्देश था कि सबको तुल्य खानपान एवं वस्त्र दिए जाए चाहे वह राजकुमार हो या दरिद्र की संतान हो।यह सपना जब तक पूरा नहीं होगा तब तक उन्नत भारत की कल्पना सम्भव नहीं है।

आज समाज में नैतिक मूल्यों का घोर क्षरण हो रहा है जिससे सामाजिक समरसता बिखर रही है।महर्षि दयानन्द ने संस्कारों एवं पञ्च महायज्ञों के माध्यम से इसे सुधारने का विधान किया था।आज युवा पीढ़ी में अपने ही देश की संस्कृति,परम्परा एवं इतिहास के प्रति गौरव बोध कम हो रहा है। यह चिंताजनक है कि आज बडी संख्या में युवा भारत को भारत न कहकर इंडिया कहने में गौरव अनुभव करता है।

मुख्य अतिथि आर्य नेता राजेश मेहंदीरत्ता व अध्यक्ष सुधीर बंसल ने भी अपने विचार व्यक्त किए।परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन करते हुए आर्य समाज के 150 वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। व प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने कहा कि हमें नववर्ष विक्रमी सम्वत पर गर्व होना चाहिए और उत्साह पूर्वक मनाना चाहिए। गायिका प्रवीना ठक्कर,रजनी गर्ग, कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा, रविन्द्र गुप्ता, प्रतिभा खुराना, सरला बजाज, सुधीर बंसल आदि ने मधुर भजन सुनाए।

बेजुबान पक्षियों को बचाने के लिए संस्था ने दाना पानी मुहिम चलाई

नोएडा (चेतना मंच)। गर्मी शुरू हो चुकी है ऐसे में बेजुबान पक्षियों को बचाने के लिए प्रत्येक वर्ष की

भांति इस वर्ष भी सामाजिक संस्था ने अपना प्रयास शुरू कर दिया है।

जंहा इस गर्मी में तपती धूप के बीच हम घरों से निकल नहीं पाते ऐसे में सामाजिक संस्था के सदस्य तेज धूप मे बाहर निकल कर बेजुबान पक्षियों को बचाने का प्रयास कर रहे इसी के साथ दाना-पानी मुहिम के तहत पंछियों के सरंक्षण के लिए जीवन अर्पण सामाजिक सेवा संस्था द्वारा हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2082 को शहर के विभिन्न स्थानों पर दाना पानी मुहिम चलाई गई जिसके तहत सभी स्थानों पर पानी हेतु व अनाज रखा गया।

इस पहल की मुख्य विशेषता यह होती है कि पंछियों के लिए रखा गया यह उपकरण (बर्ड फीडर सकोरा) पक्षियो की भूख और प्यास मिटाने में सहायता देता है। वही संस्था के द्वारा मिट्टी के सकोरे-बर्तन शहर के विभिन्न स्थानों (मुख्य चौराहा, धार्मिक स्थल, मार्किट, स्कूल, सोसाइटी, अपार्टमेंट) आदि पर रखे जा रहे हैं।

इसी के साथ संस्था के सदस्य अनमोल सहगल ने बताया की एक मानव होने के नाते हम सभी का कर्तव्य है कि हम इस तपती गर्मी में पक्षियों को राहत देते हुए अपने वातावरण के लिए उनका जीवन बचा सके एवं अपनी-अपनी छत, बॉलकोनी, आस-पास के चौराहों एवं अपने मुंडेरों पर इन पंछियों के लिए दाना-पानी से भरे बर्तन या सकोरे अवस्य रखें ताकि ये पंछी अपनी भूख-प्यास मिटाकर खुले आसमान में उड़ते नजर आ सके!

इस मौके पर-दीपान्शु शर्मा (संस्थापक),अनमोल सहगल, हैप्पी पंडित, संजय सेंगर,निशु उपाध्याय, लोकेश सिंह, तुषार गुप्ता, मनीष राणा, सुंदर गुर्जर आदि मौजूद रहे।

इफको के प्रबंध निदेशक ने जैव उर्वरक एवं तेल संयंत्र का निरीक्षण किया

फूलपुर (ब्यूरो) इफको फूलपुर संयंत्र भ्रमण के दौरान प्रबंध निदेशक डॉ उदय शंकर अवस्थी इफको कोरडेट गए जहाँ जैव उर्वरक तथा नीम तेल संयंत्र का निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त वे नैनो संयंत्र गए वहाँ उन्होंने नैनो यूरिया प्लस के उत्पादन का जायजा लिया।

उन्होंने नैनो अधिकारियों के साथ बैठक की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिया। अतिथि गृह में मुख्य सुरक्षा अधिकारी कर्नल गोरख सिंह सेंगर तथा सुरक्षा गार्डों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके उपरांत वे इफको मुख्यालय नई दिल्ली के

लिए रवाना हुए।

इस दौरान वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक संजय कुदेशिया, वरिष्ठ महाप्रबंधक संजय वैश्य, महाप्रबंधक क्रमश: ए.पी. राजेन्द्रन, संजय भंडारी, पी.के सिंह, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमश: अनीता मिश्रा, पी.के.पटेल, रत्नेश कुमार, अरुण कुमार, एस.के. सिंह, ए.के. गुप्ता, पी.के.वर्मा, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्पलाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव मौजूद रहे।

जिला कारागार में प्रमुख सचिव ने डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन किया

ग्रेटर नोएडा। जिला कारागार में शनिवार को अनिल गर्ग (आईएएस) प्रमुख सचिव कारागार द्वारा शारदा विश्वविद्यालय के कुलपति पीके गुप्ता के साथ मिलकर डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन किया गया। नोएडा प्रोमेटियस स्कूल के संस्थापक मुकेश शर्मा के सहयोग से कारागार में डिजिटल लाइब्रेरी को तैयार किया गया है। इस लाइब्रेरी में बंदी कम्प्यूटर प्रोजेक्टर के माध्यम से किताबें पढ़ सकते हैं।

मोटीवेशनल स्पीच, वीडियो कंटेन्ट देख सकते और बना भी सकते हैं। इसमें बंदियों, अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यशाला भी आयोजित हो सकती है। इस लाईब्रेरी के लिए प्रामेटियस स्कूल के बच्चों और उनके अभिभावको ने भी पुस्तके भेंट की है। इस दौरान प्रमुख सचिव अनिल गर्ग द्वारा कारागार के बाग में शुरू किए गए मधुमक्खी पालन सेंटर का भी निरीक्षण किया गया। यहां कारागार के बंदियों द्वारा शहद का उत्पादन किया जा रहा है। इस वर्ष बैगन, मूली, पालक, शलजम, पत्ता गोभी आदि करीब 350 कुंतल से अधिक सब्जी गाजियाबाद जेल के बंदियों के लिए भेजी जा चुकी है।

प्रमुख सचिव द्वारा कारागार में संचालित कौशल विकास कार्यक्रम नृत्य, गायन-वादन जैसे कोर्स की भी प्रशंसा की और सिलाई केन्द्र में नई मशीने लगा कर सिलाई उद्योग को बढ़ावा देने के निर्देश निर्देश दिए गए, जिससे ज्यादा से ज्यादा बंदियों का कौशल विकास हो सके और उनकी आय में भी वृद्धि हो सके।

कारागार के बंदियों हेतु उच्चतर संस्थाएं जैसे शारदा विश्वविद्यालय मेडिकल कॉलेज से सहयोग प्राप्त कर मेडिकल कैम्प आयोजित करने तथा विशेषज्ञ मनोचिकित्सकों द्वारा कारागार के बंदियो की कांउसिलिंग करा कर उन्हें तनाव मुक्त करने व सुधार पुनर्वास के लिए प्रेरित करने के भी निर्देश दिए गए।

इस दौरान प्रमुख सचिव ने जेल में चल रहे सुधारात्मक कार्यक्रमों की भी समीक्षा की, जिसमें शिक्षा, योग, कौशल विकास, और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित गतिविधियां शामिल हैं। उन्होंने जेल अधिकारियों को कैदियों के पुनर्वास के लिए समर्पित होकर काम करने की सलाह दी और जेल में कैदियों के अधिकारों का सम्मान बनाए रखने पर जोर दिया। इस मौके पर जेल अधीक्षक बृजेश कुमार, जेलर राजीव कुमार सिंह, जेलर संजय कुमार शाही एवं शिशिरकांत कुशवाहा, सुरजीत सिंह आदि उपस्थित रहें।

स्कूल में दिव्यांग बच्चे से मारपीट, वीडियो वायरल

नोएडा। सेक्टर-55 में स्थित एक निजी स्कूल के स्पेशल एजुकेटर द्वारा ऑटिज्म से पीड़ित 10 साल के लड़के के साथ जमकर मारपीट करने का मामला सामने आया है, जिसका वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, अब लड़के के परिवार की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी विशेष शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया और स्कूल को सील कर दिया। आरोपी स्पेशल एजुकेटर का नाम अनिल कुमार है।

लड़के के परिवार को कथित हमले के बारे में तब पता चला जब शुक्रवार को माता-पिता और स्कूल अधिकारियों के अलग-अलग वॉट्सएप ग्रुप पर गलती से इसका वीडियो शेयर हो गया। घटना बुधवार को हुई। छोटे वीडियो में शिक्षक को लड़के के साथ मारपीट करते हुए दिखाया गया है। इसके तुरंत बाद लड़के के परिवार ने आरोपी विशेष शिक्षक, स्कूल प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल और अन्य के खिलाफ सेक्टर 58 पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित बच्चे के पिता वरुण गोयल ने इस बारे में जानकारी देते हुए पीटीआई को बताया, मेरा बेटा ग्रीन रिबन इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा 1 का छात्र है। वह ऑटिज्म से पीड़ित एक दिव्यांग लड़का है और उसे विशेष देखभाल और ध्यान की आवश्यकता है।

गोयल ने आगे कहा कि हमें अपने बेटे के साथ दुर्व्यवहार के बारे में तब पता चला जब स्कूल के अधिकारियों ने गलती से वीडियो को व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर कर दिया। उन्होंने कहा, वीडियो में हमने देखा कि स्कूल टीचर और स्पेशल एजुकेटर अनिल कुमार ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया।

उधर सेक्टर 58 के एसएचओ अमित कुमार ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि ग्रीन रिबन इंटरनेशनल स्कूल के आरोपी टीचर (स्पेशल एजुकेटर), प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल और अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम और विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। आगे उन्होंने कहा, आरोपी टीचर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सोसाइटी की लिफ्ट के बंद होने से लोग परेशान

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के महागुन मार्ट सोसाइटी के टावर नंबर-27 में पिछले महीने भर से लिफ्ट बंद होने की समस्या आ रही है। 28 मंजिल ऊंचे टावर में रहने वाले लोगों को सीढ़ियों से आना और जाना पड़ रहा है। सीढ़ियों पर भी लाइट की व्यवस्था नहीं है। इसके साथ ही सीढ़ियों पर गंदगी फैली हुई है। इस तरह की विकट परिस्थिति में टावर नंबर-27 में रहने वाले बच्चे, महिला और बुजुर्गों को अत्याधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस टावर में रहने लोगों का आरोप है कि कई बार बिल्डर की रखरखाव टीम से शिकायत करने के बाद भी सुनवाई नहीं हो रही है।

महागुन मार्ट के टावर नंबर-27 में 28 मंजिल तक 204 फ्लैट बने हुए है। इस टावर में 150 से अधिक परिवार भी रह रहे हैं। इस टावर में टू बीएचके से लेकर थ्री बीएचके तक के फ्लैट है। इनकी कीमत भी 50 लाख रुपये से शुरू होकर 90 लाख रुपये तक है। इस टावर में लोगों की सुविधा के लिए तीन लिफ्ट है और एक सर्विस लिफ्ट है। एक लिफ्ट तो महीने भर से खराब होने के चलते बंद है। फिर दो फ्लैट में पिछले दो सप्ताह से तकनीकी खामियों आने की वजह से बंद है। इनमें लिफ्ट रूक-रूक कर चल रही है, जिसमें लोग कई बार आधे-आधे घंटे तक फंस भी चुके हैं। अब लोगों का पूरा दवाब सर्विस लिफ्ट पर आ गया है। अब सर्विस लिफ्ट में भी दिक्कतें आने लगी है। 28 मंजिल के टावर में सर्विस लिफ्ट से जाने और आने के लिए 40 मिनट तक भी इंतजार करना पड़ रहा है। टावर निवासी सिमरन और दीपाली नायक ने बताया कि लिफ्ट खराब होने से टावर के निवासियों की परेशानी अत्याधिक बढ़ गई है। सबसे ज्यादा मरीजों, बच्चे और महिलाओं को दिक्कतें आ रही है। बिल्डर की प्रबंधन टीम को शिकायत करने के बाद भी सुनवाई नहीं हो रही है। कोई बड़ा हादसा होने के बाद ही बिल्डर की तंद्रा टूटेगी।

वहीं टावर निवासी मोनिका जैन ने बताया कि टावर की सीढ़ियों पर लाइट की भी व्यवस्था नहीं है। इसके साथ ही गंदगी भी बनी रहती है। 28 मंजिल के टावर की सीढ़ियों से सफर करना और ऊपर से लाइट ओर सफाई की व्यवस्था नहीं होने से परेशानी हो बढ़ रही है। बिल्डर की रखरखाव टीम फंड़ नहीं होने की बातें कर रही है। लिफ्ट का भी त्वरित समाधान होते नजर नहीं आ रहा है। लोगों के भारी विरोध के बाद बिल्डर की प्रबंधन टीम अप्रैल महीने के पहले सप्ताह तक लिफ्ट को ठीक करने की बातें कह रही है। तब तक लोगों को तमाम चुनौतियों का सामना करते हुए टावर में रहना पड़ेगा। वहीं सोसाइटी के टावर नंबर-27 में लिफ्ट की समस्या को लेकर बिल्डर की प्रबंधन टीम से बात करने के प्रयास किए गया। परंतु प्रबंधन टीम ने कुछ भी जवाब नहीं दिया।

यूरोप-अफ्रीका तक फैला है पॉर्न वीडियोज का नेटवर्क

नोएडा के पति-पत्नी कंपनी बना चला रहे थे गैंग

नोएडा। अश्लील वेबसाइट के लिए पॉर्न कंटेंट मुहैया कराने वाले नोएडा से संचालित गैंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम को अहम जानकारी मिली है। नोएडा सेक्टर-105 के सी ब्लॉक की जिस कोठी से दंपती गिरफ्तार किए गए, वह दिल्ली के एक डॉक्टर की है। आरोपी दंपती ने इसे किराये पर लिया हुआ था। वहीं, ऑडिशन के नाम पर महिला मॉडलों को बुलाकर अश्लील कंटेंट बनाने वाले धंधे का नेटवर्क साइप्रस के अलावा यूरोप और अफ्रीका के कई देशों में फैला है।

नोएडा पुलिस ने शनिवार को बताया कि ईडी ने कार्रवाई की जानकारी स्थानीय पुलिस के साथ साझा नहीं की। दंपती की गिरफ्तारी की जानकारी मिलने के बाद जब पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो कोठी के बाहर ताला लटका हुआ था। ईडी कई देशों की स्ट्रीमिंग वीडियो बनाने वाली कंपनियों के साथ नोएडा के आरोपी दंपती के संबंधों की जांच कर रही है। अश्लील कंटेंट बेचकर आरोपी दंपती ने कई करोड़ रुपये कमाए। विदेशी फंडिंग की जानकारी जुटा रही है। ईडी की टीम को बीते दिनों

सूचना मिली कि नोएडा में एक ऐसा गिरोह सक्रिय है जो अश्लील साइट के लिए पोर्न कंटेंट मुहैया कराकर विदेश से फंड हासिल कर रहा है।

इसके बाद टीम ने सुबदीगी वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी पर छापा मारा। कंपनी के डायरेक्टर उज्जवल किशोर और उसकी पत्नी नीलू श्रीवास्तव को दबोच कर टीम दिल्ली ले गई। दंपती कोठी के अंदर अवैध रूप से स्टूडियो बनाकर पोर्न वीडियो शूट करा रहे थे। छापेमारी के दौरान ईडी की टीम को लाखों की नकदी और केस से संबंधित महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। दंपती की कंपनी साइप्रस की एक कंपनी के लिए काम कर रही थी। दंपती की कंपनी से बनाए गए कंटेंट कई वेबसाइट पर चलते थे। ज्यादातर वेबसाइट विदेश की होने की जानकारी मिली है।

ईडी की जांच में 15.66 करोड़ रुपये की अवैध विदेशी फंडिंग का खुलासा हुआ है। आशंका है कि यह रकम हवाला के जरिये आई। कोठी के आसपास रहने वाले लोगों ने बताया कि गेट तभी खुलता था, जब युवतियां आती थीं। कैमरा समेत अन्य उपकरण लेकर भी लोग आते रहते थे। स्थानीय लोगों को आशंका तो थी कि कोठी के अंदर किसी प्रकार का वीडियो और फोटोशूट होता था, पर उन्हें पॉर्न कंटेंट की शूटिंग होने की जानकारी नहीं थी। स्थानीय लोगों का यह भी दावा है कि कोठी पर जब छापेमारी की गई तो अंदर से तीन युवतियां भी निकली थीं। ईडी की टीम द्वारा तीनों युवतियों के बयान दर्ज करने की जानकारी भी मिली है। ईडी के मुताबिक, जांच में 15.66 करोड़ रुपये की अवैध विदेशी फंडिंग का खुलासा हुआ है। आशंका जताई जा रही है कि यह रकम हवाला के जरिये आई।

पूछताछ में दंपती की ओर से बताया गया कि मार्केट रिसर्च, जनमत संग्रह और विज्ञापन के नाम पर विदेशों से पैसे आए। इसी को आधार बनाकर पर्पज कोड देकर दंपती ने गलत तरीके से विदेशी रकम अपने बैंक खातों में ली।

भारत में पॉर्न बनाने, बेचने, शेयर करने, इसके प्रदर्शन आदि पर प्रतिबंध है। इसके बावजूद भारत दुनिया का तीसरा सबसे अधिक पॉर्न देखने वाला देश है। छोटे शहरों के लोग काफी अधिक संख्या में इसे देख रहे हैं। वर्ष 2018 में भारत सरकार ने करीब 850 पॉर्न वेबसाइटों पर प्रतिबंध लगा दिया था। ऐसा पहले भी किया गया, लेकिन इसका कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा। ये वेबसाइट नए-नए डोमेन लेकर भारत में आ जाती हैं। अब तो ऐप, वॉट्सऐप, टेलीग्राम और अन्य माध्यमों के जरिये भी अश्लील कंटेंट लोगों के सामने आ रहे हैं। इसके लिए विदेशी सर्वर का इस्तेमाल किया जाता है।

इस मामले में प्रवर्तन नोएडा पुलिस का कहना है कि जिले में कई हजार स्टूडियो अपार्टमेंट हैं। सभी की जांच की जाएगी। इसके लिए जल्द ही टीमों का गठन किया जाएगा। किस स्टूडियो में क्या काम हो रहा है, इसकी जानकारी संचालकों को देनी होगी। गिरफ्तार दंपती के बैंक खाते भी पुलिस के निशाने पर हैं। सभी खातों की सिलसिलेवार तरीके से जांच होने की बात कही जा रही टीम इस धंधे में शामिल कई अन्य आरोपियों के नामों का भी खुलासा आने वाले दिनों में कर सकती है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

खास खबर

आईपीएल में चमका अफगानी गेंदबाज

चेन्नई । आईपीएल-2025 में 17 साल बाद चेन्नई सुपर किंग्स को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने मात दी। करारी हार के बावजूद सीएसके के लिए खेल रहे अफगानी मूल के क्रिकेटर नूर अहमद मैच में खूब चमके। नूर अहमद ने चार ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट चटकाए और इसके साथ ही वह टूर्नामेंट में पर्पल कैप की रेस में सबसे आगे हो गए। टूर्नामेंट में नूर अहमद ने कुल दो मैच खेले हैं और उन्होंने 7 विकेट अपने नाम किए हैं। आरसीबी के खिलाफ उतरने से पहले उनके खाते में चार विकेट थे और वह पर्पल कैप की रेस में दूसरे नंबर पर थे। आरसीबी के खिलाफ नूर ने अच्छी गेंदबाजी की।नूर अहमद के बाद पर्पल कैप की रेस में लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर हैं। शार्दुल के बाद आरसीबी के जोश हेजलवुड हैं, जिनके नाम दो मैच में 5 विकेट हैं। चौथे नंबर पर सीएसके के खलील अहमद हैं, जिनके नाम दो मैच में चार विकेट हैं।

बाबर के आउट होते ही 22 रन में गिरे 6 विकेट

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बाबर आजम पाकिस्तान की टीम में फिर लौट आए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में 78 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन इससे पाकिस्तान की हार का सिलसिला नहीं थमा। मेजबान न्यूजीलैंड ने इस मुकाबले में पाकिस्तान को 73 रन से हराया। यह न्यूजीलैंड दौरे पर पाकिस्तान की लगातार तीसरी और 6 मैच में पांचवीं हार है। पाकिस्तान को वनडे मैच से पहले टी20 सीरीज में 1-4 से हार झेलनी पड़ी थी। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे मैच शनिवार को नेपियर में खेला गया। इस मैच से पांच खिलाड़ियों ने अपने वनडे करियर की शुरूआत की। पाकिस्तान ने मोहम्मद अली, उस्मान खान और आकिफ जावेद ने डेब्यू किया। न्यूजीलैंड की ओर से निक केली और मुहम्मद अब्बास ने डेब्यू किया। मुहम्मद अब्बास पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर अजहर अब्बास के बेटे हैं जो न्यूजीलैंड के लिए खेल रहे हैं और पहले ही डेब्यू में उन्होंने इतिहास रच दिया है।

रायगढ़ का पहला आईपीएल टूर्नामेंट 8 अपैल से

रायगढ़। रायगढ़ जिले में पहली बार टेनिस बॉल रात्रि कॉलिन क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन इंडियन प्रीमियर लीग होने जा रहा है। यह अनूठा प्रयोग न केवल जिले के क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक नया अनुभव लेकर आया है, बल्कि खिलाड़ियों, आयोजकों और दर्शकों में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। यह प्रतियोगिता 8 अप्रैल से 13 अप्रैल तक डिग्री कॉलेज लाल मैदान ग्राउंड पर दूधिया रोशनी में खेली जाएगी। लाल मैदान खेल समिति के अध्यक्ष चंद्रकांत जलक्षत्री (चंदू) ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि उसके साथियों का सपना था कि रायगढ़ में आईपीएल जैसा टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट हो। इस सपने को सच करने के लिए उनके साथी, 120 खिलाड़ी, 8 फ्रेंचाइजी मालिक और स्पॉन्सर्स ने साथ दिया है। चंदू ने कहा कि ह्लयह रायगढ़ टेनिस क्रिकेट का नया चेहरा होगा। हम इसे ऐसा बनाएंगे कि लोग सालों तक याद रखें।

आईपीएल में मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस का अब तक नहीं खुला खाता

एजेंसी

मुंबई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपरकिंग्स को तगड़ा झटका दिया है। आरसीबी ने शुक्रवार को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को 50 रन से पटखनी दी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू इस जीत से जहां पॉइंट टेबल में 4 अंक हासिल करने वाली पहली टीम बन गई, वहीं सीएसके 5 स्थान फिसलकर सातवें नंबर पर आ गई। विराट की टीम ने सीएसके को उसके घर चेन्नई में 16 साल बाद हराया है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू मैच से पहले ही आईपीएल 2025 पॉइंट टेबल में पहले स्थान पर थी। लेकिन तब उसके सीएसके सहित 6 टीमों के बराबर 2 अंक ही थी। आरसीबी-सीएसके मुकाबले से पहले टीमों की रैंकिंग नेटरनरेट के आधार पर थी। अब आरसीबी ने दूसरे से सातवें नंबर तक काबिज टीमों से 2 अंक की लीड ले ली है। सीएसके इस मैच से पहले 2 अंक और +0.493 नेटरनरेट के साथ दूसरे नंबर पर थी। आरसीबी ने सीएसके को हराकर सातवें नंबर पर भेज दिया है। सीएसके के अब भी 2 अंक हैं, लेकिन नेटरनरेट घटकर -1.013 हो गया है। सीएसके की हार का फायदा कम से कम 5 टीमों को हुआ है। इससे लखनऊ सुपरजायंट्स तीसरे से दूसरे नंबर पर आ गई है। पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइटराइडर्स को भी एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। आईपीएल 2025 में अब तक 8 मैच खेले जा चुके हैं। मुंबई इंडियंस, गुजरात टाइटंस, पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स ने अब तक एक-एक और बाकी 6 टीमें 2-2 मैच खेले हैं। राजस्थान रॉयल्स अपने दोनों मैच हारकर पॉइंट टेबल में सबसे नीचे है। मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस का भी अब तक पॉइंट टेबल में खाता नहीं खुला है।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्टुअर्ट लॉ बने नेपाल क्रिकेट टीम के हेड कोच

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्टुअर्ट लॉ को अगले 2 वर्षों के लिए नेपाल पुरुष क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है। नेपाल क्रिकेट एसोसिएशन (सीएएन) ने इसकी जानकारी दी है। लॉ से पहले मोंटी देसाई नेपाल टीम के कोच थे। उनका कार्यकाल इस साल फरवरी में समाप्त हो गया था। नेपाल क्रिकेट एसोसिएशन ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज स्टुअर्ट लॉ अगले दो वर्षों के लिए नेपाल पुरुष राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की कमान संभालेंगे। 56 साल के स्टुअर्ट लॉ ने ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए वर्ष 1994 से 1999 के बीच क्रिकेट खेला। उन्होंने एक टेस्ट और 54 वनडे मैच खेले, जिसमें 1291 रन बनाए और 12 विकेट अपने नाम किए। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद उन्होंने

कोचिंग की दुनिया में कदम रखा। उनके पास कोचिंग का काफी अनुभव हो चुका है। वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका, श्रीलंका, बांग्लादेश, वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के साथ काम कर चुके हैं। पिछले साल उनकी कोचिंग में अमेरिका टीम ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। घरेलू धरती पर खेले गए टूर्नामेंट में यूएसए ने ग्रुप चरण में अपने शुरूआती मैच में कनाडा को हराया। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ एक ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इससे वे सुपर आठ चरण में पहुंचने में कामयाब रहे थे।

टूर्नामेंट में हमारा अनुभव बहुत अच्छा रहा : पूजा मलिक

रांची। राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2024-25 के अंतिम चरण का खिताब जीतने वाली हॉकी हरियाणा की कप्तान पूजा मलिक ने टूर्नामेंट को लेकर टीम का अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट में हमारा अनुभव बहुत अच्छा रहा। हमने अंत का लड़ाई लड़ी जिससे हमने फाइनल में जीत दर्ज की। हॉकी हरियाणा ने झारखंड के रांची स्थित मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ पर एक करीबी मुकाबले में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा को 3-2 से हराकर राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2024-25 (अंतिम चरण) का खिताब जीता। चार जीत, दो हार और एक शूटआउट जीत के साथ हॉकी हरियाणा ने सात

मैचों में 15 अंक दर्ज किए और पूल चरण में तालिका में शीर्ष पर रही। हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने भी इतने ही अंक हासिल किए। हालांकि हॉकी हरियाणा का गोल अंतर बेहतर रहा। फाइनल में अहाल्या लाकड़ा और दीपिका बारवा ने हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा के लिए गोल किया, जबकि हॉकी हरियाणा के लिए काजल ने दो गोल और सावी ने एक गोल करके जीत सुनिश्चित की। टूर्नामेंट के बारे में बात करते हुए हॉकी हरियाणा की कप्तान पूजा मलिक ने हॉकी इंडिया की ओर से शनिवार को बयान में कहा कि टूर्नामेंट में हमारा अनुभव बहुत अच्छा रहा। हमने कुछ मैच हारे लेकिन हमने अंत तक संघर्ष किया और फाइनल जीता। हम हमेशा आक्रामक हॉकी खेलने की कोशिश करते हैं। हम शुरू से ही दबाव बनाना चाहते थे ताकि हम आगे से हमला कर सकें। यही टूर्नामेंट में हमारी रणनीति थी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों और उनकी कड़ी मेहनत को श्रेय जाता है क्योंकि हमारी टीम का संयोजन इस जीत की कुंजी थी। हॉकी हरियाणा के हेड कोच दिलबाग सिंह ने अपनी भावनाओं को दोहराते हुए कहा कि हमारी टीम हमेशा आक्रामक हॉकी खेलने के लिए जानी जाती है और फाइलन में भी यही योजना थी। मैंने टीम से खुलकर खेलने और आक्रामक हॉकी पर ध्यान केंद्रित करने को कहा।

धोनी ने सीएसके के लिए बनाए सबसे ज्यादा रन

एजेंसी

चेन्नई। क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया जब वह सुरेश रैना को पछाड़कर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। अब धोनी के नाम आईपीएल में 4,699 रन हो गए हैं। उन्होंने सुरेश रैना के 4,687 रन को पीछे छोड़ दिया है। अपने संयम और फिनिशिंग कौशल के लिए जाने जाने वाले धोनी ने खास अंदाज में यह उपलब्धि हासिल की।

सुरेश रैना जो धोनी को ही अपना गुरु मानते हैं, चेन्नई के लिए कई साल तक नंबर एक पर रहे। बहरहाल, धोनी के इस मुकाम पर पहुंचते ही चेन्नई के प्रशंसक जश्न मनाने लगे। सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ हुई। धोनी वैसे भी कप्तान से हटने के बावजूद अपने बल्ले और और स्टंप के पीछे काबिलियत से चर्चा में रहते हैं। वह आईपीएल इतिहास में सबसे अधिक स्टंपिंग (43) का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर चुके हैं। बेंगलुरु के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने फिल सॉल्ट को जिस तरह से आऊट किया, उसने दिखा दिया कि अभी भी उनका कोई सानी नहीं है।

आईपीएल में सबसे अधिक डॉट गेंदें फेंकने वालों में अधिकतर भारतीय

एजेंसी

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में डॉट गेंद फेंकने के मामले में शीर्ष पांच खिलाड़ियों में से चार भारतीय गेंदबाज हैं। केवल एक गेंदबाज सुनील नरेन वेस्टइंडीज के हैं। आईपीएल में आमतौर पर बल्लेबाज हावी रहे हैं पर इसमें सबसे अधिक डॉट गेंद फेंककर भारतीय गेंदबाजों बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा है। आरसीबी में शामिल भुवनेश्वर कुमार ने 1729 डॉट गेंदें फेंकी हैं और वह सूची में पहले नंबर पर हैं। भुवनेशवर ने टूर्नामेंट में कुल 3910 गेंदें डाली है, जिसमें 44 फीसदी डॉट गेंदें हैं। सबसे ज्यादा किफायती गेंदबाज की बात करें तो भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 1292 गेंदों के साथ छठे स्थान पर हैं। वहीं साल 2021 में अंतिम आईपीएल मैच खेलने वाले स्पिनर हरभजन

सिंह इस सूची में 1312 डॉट गेंदों के साथ पांचवें पायदान पर जबकि स्पिनर पीयूष चावला हैं। पीयूष ने आईपीएल में 1358 डॉट गेंदें डाली है और वह चौथे नंबर पर हैं। वहीं अनुभवी स्पिनर आर अश्विन 1612 गेंदों के साथ सूची में तीसरे स्थान पर हैं। अश्विन इस बार सीएसके से खेल रहे हैं। वहीं इस सूची में नरेन ही केवल विदेशी गेंदबाज है। नरेन ने अपने आईपीएल करियर में अभी तक 1636 डॉट गेंदें फेंकी और वह दूसेर नंबर पर है।

क्लब वर्ल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट 14 जून से

सेन डियागो । 2025 क्लब वर्ल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट ये 14 जून से 13 जुलाई, 2025 तक संयुक्त राज्य अमेरिका में होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 32 टीमें भाग लेंगी। इसमें सात मैचों का ग्रुप स्टेज और प्लेऑफ फॉर्मेट होगा। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा ने इसके लिए इनामी राशि घोषित कर दी है। इसमें कुल इनामी राशि 1 बिलियन डॉलर 32 प्रतिभागी क्लबों में वितरित की जाएगी। इसमें विजेता टीम को 125 मिलियन डॉलर तक जीतने का निर्धारित।अवसर मिलेगा। इसके अलावा वैश्विक क्लब फुटबॉल को समर्थन देने के लिए 250 मिलियन डॉलर अलग रखे गए हैं। वहीं इसमें शामिल टीमों को 525 मिलियन डॉलर मिलेंगे। इसके अलावा यूईएफए क्लब 12.81 मिलियन डॉलर से 38.19 मिलियन डॉलर तक की राशि हासिल करेंगे, जो उनकी रैंकिंग और राजस्व पर निर्भर करेगा।

ट्रेविस हेड ने लगाया आईपीएल में अब तक का सबसे लंबा छक्का

इस सूची के टॉप 5 बल्लेबाजों में एक भी भारतीय बल्लेबाज का नाम नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। आईपीएल सीजन 18 में क्रिकेट प्रेमियों को ऐसा खेल देखने को मिला जिससे वह गदगद हैं क्योंकि हर मैच में बड़े बड़े शाट्स देखने को मिल रहे हैं और दर्शकों का पैसा भी वसूल हो रहा है। सीजन में अभी तक कई रोमांचक मुकाबले हो चुके हैं। अभी तक हुए मुकाबलों में सबसे लंबा छक्का लगाने वाले बल्लेबाज ट्रेविस हेड हैं, जो सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाड़ी हैं। इस सूची के टॉप 5 बल्लेबाजों में कोई भारतीय बल्लेबाज नहीं है। इस सीजन के पहले 5 मैचों में कुल रन रेट में 17 फीसदी की वृद्धि हुई है, लेकिन जो आंकड़े वास्तव में आपको चौंकाते हैं, वे हैं बाउंड्री की संख्या। इस सीजन में छक्कों की संख्या में 37 फीसदी

की वृद्धि हुई है, जबकि चौकों की संख्या में 34 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है। इस सीजन में अब तक 32 से अधिक छक्के लगाए गए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 23 मार्च को हुए मैच में 105 मीटर का छक्का लगाया था। ये आईपीएल 2025 में अभी तक का सबसे लंबा छक्का है। इस मुकाबले में हेड ने 31 गेंदों में 67 रन बनाए थे। इस पारी में उन्होंने 3 छक्के और 9 चौके जड़े थे। दिल्ली कैपिटल्स प्लेयर ट्रिस्टन स्टब्स आईपीएल 2025 में अभी तक सबसे लंबा छक्का लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 98 मीटर का छक्का लगाया था। इस मुकाबले को दिल्ली ने 1 विकेट से जीता था।

अभी तक खेले गए मैचों में कई भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार पारियां तो खेली है पर उस सूची में किसी भी बल्लेबाज का नाम नहीं है जहां पूरन दो बार अपना नाम लिखवा चुके है। सबसे लंबा छक्का लगाने के मामले में टॉप 5 में 2 सिक्सर्स तो निकोलस पूरन के हैं। उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ 70 रनों की तावड़तोड़ पारी खेली थी। सूची में शामिल उन्होंने 1 छक्का 97 मीटर और दूसरा 96 मीटर का लगाया था। 26 गेंदों में खेली इस पारी में पूरन ने 6 छक्के और इतने ही चौके जड़े थे।

झारखंड राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता सह चयन ट्रायल संपन्न

रांची । 22 अप्रैल 2025 तक कोटा राजस्थान में आयोजित होने वाले यू-20 जूनियर महिला एवं पुरुष राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता-2025 में भाग लेने हेतु झारखंड यू-20 राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता सह चयन ट्रायल आज गनपत राय इनडोर स्टेडियम खेलगांव होटवार रांची में आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न जिले से 94 कुश्ती खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। उक्त प्रतियोगिता सह चयन ट्रायल का उदघाटन झारखंड राज्य कुश्ती संघ के कोषाध्यक्ष बबलू कुमार के द्वारा किया गया।साथ में, गुमला जिला कुश्ती संघ के सचिव निलेश कुमार साहू, गढ़वा जिला

कुश्ती संघ सचिव धीरज चौबे, सीनियर प्लेयर सह कोच राजीव रंजन भीम, खेलो इंडिया सेंटर साहिबगंज के प्रशिक्षक प्रकाश सिंह बादल, बालमुनि कुमारी मृत्युंजय नाथ चौधरी, साथ अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। उक्त चयन ट्रायल में चयनित 20 पुरूष और 10 महिला पहलवानों का 7 दिवशीय विशेष प्रशिक्षण शिविर देने के पश्चात, 20 अप्रैल से 22 अप्रैल 2025 तक कोटा राजस्थान में आयोजित यू-20 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।

झारखंड वुडबॉल टीम का किया गया स्वागत

रांची। शनिवार को रांची के ऐतिहासिक जयपाल सिंह स्टेडियम में द हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन संस्था के द्वारा झारखंड वुडबॉल टीम का भव्य स्वागत एवम अभिनंदन किया गया । संस्था के अध्यक्ष देवपुजन ठाकुर , कांके विधानसभा पूर्व प्रत्याशी 2024 संतोष कुमार रजक , रिलेसंस के निर्देशक आशुतोष द्विवेदी, झारखंड वुडबॉल संघ के सचिव गोविंद झा, ने सभी खिलाड़ियों को सर्टिफिकेट देकर स्वागत किया गया । ज्ञात है की झारखंड वुडवॉल टीम बालक /बालिका नागपुर में आरटीएम यूनिवर्सिटी ग्राउंड में 22 मार्च से 26 मार्च तक आयोजन 19 वीं

सीनियर वुडबॉल प्रतियोगिता सह 13 वीं जूनियर वुडबॉल प्रतियोगिता में भाग लेकर 28 मार्च को ट्रॉफी और मेडल लेकर रांची आई इस प्रतियोगिता में बालक वर्ग स्ट्रोक इवेंट में प्रथम गोल्ड पदक अपने नाम किया है वहीं बालिक वर्ग स्ट्रोक इवेंट में तृतीय स्थान काश्य पदक जीतकर झारखंड राज्य का नाम बढ़ाया हैं। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों के वुडबॉल टीम ने भाग लिया । यह पल पूरे झारखंड वासियों के लिए गर्व की बात है । यह जानकारी मयंक सिंह और शूभम शर्मा ने दिया ।

वनडे सीरीज में कीवी टीम से अब्बास ने किया डेब्यू, पाक गेंदबाजों को धोया

24 गेंदों में अर्धशतक जड़कर रचा इतिहास, क्रुणाल का तोड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच चल रही वनडे सीरीज के पहले मैं में कीवी टीम से पाकिस?तान के एक पूर्व क्रिकेटर का बेटा मैदान में उतरा। पाकिस?तान के लिए घरेलू क्रिकेट में धूम मचा चुके अजहर अ?बास के बेटे मोह?मद अ?बास ने मैच में डे?यू किया। अपने पहले ही मुकाबले में 21 साल के अ?बास ने 26 गेंदों पर 52 रन ठोकर दमदारी दिखाई। अब्बास ने तीन चौके और तीन छ?के लगाए। अपने डे?यू मैच में मोह?मद अ?बास 200 की स?ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। उन्होंने सिर्फ 24 गेंदों में अर्धशतक जड़कर वनडे क्रिकेट

में डेब्यू पर सबसे तेज फिफ्टी का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने भारत के क्रुणाल पंड्या को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने अपने डेब्यू वनडे में 26 गेंदों पर अर्धशतक लगाया था। बता दें मोहम्मद अब्बास के पिता अजहर अब्बास पाकिस्तान के घरेलू क्रिकेट में 21 फर?ट-क?लास मैच खेल चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने 15 लिस्ट ए और 19 टी20 मुकाबले भी घरेलू क्रिकेट में खेले। इसके बावजूद भी वह पाकिस्तान की अंतरराष?ट्रीय टीम में डे?यू नहीं कर पाए थे। बेटे मोहम्मद अब्बास में क्रिकेट का जुनून बचपन से ही था। मात्र 3 साल की उम्र से वे क्रिकेट के प्रति आकर्षित हो गए थे। उनके इस जुनून को देखते हुए न्यूजीलैंड क्रिकेट ने 16 साल की उम्र में उन्हें अपने टैलेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम में जगह दी थी। उनकी मेहनत और समर्पण का फल अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर देखने को मिला, जब उन्होंने अपने पहले ही मैच में इतिहास रच डाला।

न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और मोहम्मद अब्बास की तूफानी पारी की मदद से 50 ओवर में 9 विकेट पर 344 रन का स्कोर खड़ा कर दिया। अब्बास के अलावा मार्क चैपमैन ने 132 रनों की शतकीय पारी खेली, जिसने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। अब्बास के आक्रामक खेल ने पाकिस्तानी गेंदबाजों पर दबाव बना दिया, जिसके चलते न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के सामने 345 रनों का विशाल लक्ष्य रखा। पाकिस्तानी मूल के इस युवा खिलाड़ी का अपनी जन्मभूमि की टीम पाकिस्तान के खिलाफ ऐसा प्रदर्शन चौंकाने वाला है। यह दिखाता है कि प्रतिभा किसी देश या सीमा की बाध्यता नहीं मानती। अपने डेब्यू मैच में ही अब्बास ने साबित कर दिया कि वे भविष्य में न्यूजीलैंड क्रिकेट का बड़ा चेहरा बन सकते हैं।

बोस्टन में फिगर स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप में आइस डांस रिदम डांस कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शन करती स्लोवाकिया की मारिया सोफिया पुचेरोवा और निकिता लिसाक।

भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए मजबूत मध्यस्थता तंत्र महत्वपूर्ण : पीयूष गोयल

- वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में भारत की आकांक्षाओं का समर्थन करता है
- न्यायिक देरी को कम करने और एक स्थिर एवं पारदर्शी कारोबारी माहौल सुनिश्चित करने में मध्यस्थता और मध्यस्थता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है
- कानूनी सुधार और एक मजबूत मध्यस्थता ढांचा निवेशकों के विश्वास और आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत के वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरने के लिए मजबूत मध्यस्थता और मध्यस्थता तंत्र महत्वपूर्ण हैं। कानूनी सुधार और एक मजबूत मध्यस्थता ढांचा निवेशकों के विश्वास और आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा। गोयल ने आज नई दिल्ली में यूनाइटेड इंटरनेशनल एवोकेट कॉन्फ्रेंस के विशेष पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने अपने संबोधन में भारत के तीव्र आर्थिक विकास और वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की उसकी महत्वाकांक्षा को समर्थन देने में एक मजबूत कानूनी और मध्यस्थता ढांचे के महत्व को रेखांकित किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि न्यायिक देरी को कम करने और एक स्थिर एवं पारदर्शी कारोबारी माहौल सुनिश्चित करने में मध्यस्थता और मध्यस्थता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने मध्यस्थता तंत्र में विश्वास की आवश्यकता पर जोर दिया और बड़ी कंपनियों के प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय पूर्वाग्रहों के बारे में चिंताओं को स्वीकार किया। गोयल ने हितधारकों से भारत में मध्यस्थता प्रथाओं को मजबूत करने का आग्रह किया ताकि उन्हें अधिक कुशल और निष्पक्ष बनाया जा सके, जिससे निवेशकों के लिए अधिक अनुकूल माहौल को बढ़ावा मिले। गोयल ने कानूनी बिरादरी को स्पष्ट, मजबूत और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी कानूनी ढांचे का मसौदा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए समापन किया, जो वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में भारत की आकांक्षाओं का समर्थन करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक मजबूत कानूनी ढांचा न केवल आर्थिक विकास को सुविधाजनक बनाएगा, बल्कि वैश्विक व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में भारत की प्रतिष्ठा को भी मजबूत करेगा।

खास खबर

देश का चालू खाता घाटा बढ़कर हुआ 11.5 बिलियन डॉलर

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बताया कि व्यापार घाटे में इजाफा होने से अक्टूबर से दिसंबर तिमाही में भारत का चालू खाता घाटे में बढोतरी हो गई है। वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में चालू खाता घाटा 11.5 बिलियन डॉलर या सकल घरेलू उत्पाद का 1.1 फीसदी रहा, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 10.4 बिलियन डॉलर या सकल घरेलू उत्पाद का 1.1 फीसदी था। आरबीआई ने कहा कि इस वर्ष जुलाई-सितंबर में घाटा संशोधित 16.7 बिलियन डॉलर या सकल घरेलू उत्पाद का 1.8 फीसदी था। हाल ही में जारी महालेखा नियंत्रक (सीजीए) के आंकड़ों के मुताबिक, केंद्र का शुद्ध कर राजस्व 20 लाख करोड़ रहा। आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों में केंद्र का कुल खर्च 38.93 लाख करोड़ था। केंद्र का राजकोषीय घाटा 2024-25 के लिए जीडीपी का 4.8 फीसदी और 2025-26 के लिए 4.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है।

गूगल पर लगाए गए जुर्माने को घटाकर किया 216 करोड़

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी कानून अपील न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने गूगल के खिलाफ जारी दबदबे के मामले में सीसीआई के फैसले को आंशिक रूप से बरकरार रखा है। गूगल पर लगाए गए जुर्माने को 216 करोड़ रुपये में कम करके एनसीएलएटी ने इसे दोबारा विचार करने के लिए तारीख तय की है। एनसीएलएटी के आदेश में गूगल को व्यावसायिक पोलीसी में सुधार करने का निर्देश दिया गया है, साथ ही ऐप डेवलपर्स को और अधिक स्वायत्तता प्रदान करने की अनुमति दी गई है। एनसीएलएटी ने कहा है कि गूगल को अपने प्लेटफॉर्म पर आए डेटा का सही उपयोग करने के लिए पारदर्शी नीतियों का अधिक विकल्प प्रदान करना चाहिए।

गोल्डमैन सैक्स ने एचएएल और जोमेटो के शेयर खरीदे

नई दिल्ली। बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज की दिग्गज कंपनी गोल्डमैन सैक्स ने खुले बाजार में बड़ा निवेश किया। कंपनी ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और जोमेटो के शेयर खरीदते हुए कुल 281 करोड़ रुपये का सौदा किया। बीएसई के ब्लॉक डील डेटा के अनुसार गोल्डमैन सैक्स (सिंगापुर) ने एचएएल के 3.85 लाख शेयर खरीदे। इसके अलावा, अमेरिकी निवेश कंपनी ने जोमेटो के 60.07 लाख शेयर भी खरीदे। शेयरों की यह खरीद 199.5 रुपये से 4,176.25 रुपये प्रति शेयर की रेंज में हुई, जिससे कुल डील वैल्यू 280.96 करोड़ रुपये पहुंच गई। हॉन्गकॉन्ग की एसेट मैनेजमेंट फर्म काडेंसा कैपिटल ने इस डील में अपनी हिस्सेदारी बेची। काडेंसा मास्टर फंड ने एचएएल और जोमेटो में उतनी ही संख्या में शेयर बेचे, जितने गोल्डमैन सैक्स ने खरीदे। शुक्रवार को एचएएल के शेयर हल्की बढ़त के साथ 4,176 रुपये पर बंद हुए, जबकि जोमेटो के शेयरों में 2.07 फीसदी की गिरावट आई और यह 201.50 रुपये पर बंद हुए।

नया स्मार्टफोन आईक्यूओ झेड10 5जी जल्द होगा लांच

नई दिल्ली। भारत में आईक्यूओ जल्द ही अपना नया स्मार्टफोन आईक्यूओ झेड10 5जी लॉन्च करने जा रही है। इसकी खास बात यह है कि यह फोन सिर्फ 0.789 सीएम मोटा होगा, जिससे यह भारत का सबसे पतला स्मार्टफोन बन जाएगा। यह फोन 11 अप्रैल को पेश किया जाएगा और इसका सबसे बड़ा आकर्षण इसकी 7300 एमएएच की विशाल बैटरी होगी, जो अब तक किसी भी स्मार्टफोन में नहीं देखी गई है। कंपनी ने हाल ही में अपने एक पोस्टर के जरिए इस फोन की बैटरी और डिजाइन से जुड़ी जानकारी साझा की है। लीक्स के मुताबिक, आईक्यूओ झेड10 5जी में 6.67-इंच का क्वाड-कर्व्ड अमोलेड डिस्प्ले दिया जाएगा, जो 120 एचझेड रिफ्रेश रेट और 2000 निट्स की पीक ब्राइटनेस के साथ आएगा। यह फोन ग्लेशियर सिल्वर कलर और अल्ट्रा-स्लीक डिजाइन में पेश किया जाएगा। कैमरा सेटअप की बात करें तो इसमें ओआईएस सपोर्ट के साथ 50एमपी सोनी आईएमएक्स 882 प्राइमरी सेंसर और 2एमपी का सेकेंडरी लेंस हो सकता है।

1 अप्रेल से बुखार और एलर्जी जैसी कई बीमारियों की दवाएं होंगी महंगी

नई दिल्ली। नए वित्तीय वर्ष से मौसमी बुखार और एलर्जी जैसी कई बीमारियों की दवाओं की कीमत में बढ़ोतरी हो सकती है। हाल ही में कई आम बीमारियों में उपयोगी दवाओं की कीमत बढ़ाने को लेकर सरकार ने मंजूरी दे दी है। जिन दवाओं की कीमतें अगले महीने से बढ़ने जा रही हैं। इनमें से कई का इस्तेमाल डायबिटीज, बुखार और एलर्जी जैसी आम बीमारियों में किया जाता है। जबकि कुछ दवाओं का इस्तेमाल पेन किलर की रूप में होता है। बताया जा रहा है कि इन दवाओं के बढ़ती कीमतों का मुख्य कारण कच्चे माल की बढ़ती लागत है। हालांकि इन दवाओं की दामों में इजाफा सीमित ही होगा। दरअसल, सरकार ने जरूरी दवाओं की लिस्ट यानी नेशनल लिस्ट ऑफ एसेंशियल मेडिसिन में शामिल दवाओं के दाम में 1.74 प्रतिशत तक बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। इनमें पेरासिटामोल, एज़िथ्रोमाइसिन, एंटी-एलर्जी, एंटी-एनीमिया, और विटामिन और मिनरल्स की दवाएं शामिल हैं। केंद्र सरकार ने जिन दवाओं की कीमतें बढ़ाने की मंजूरी दी है। उनकी कीमत में बढ़ोतरी होलसेल प्राइस इंडेक्स के आधार पर तय की गई है। इस बार होलसेल प्राइस इंडेक्स में 1.74 प्रतिशत की बढ़त आई है। दवाओं के भाव अब इसी हिसाब से दाम बढ़ाए जा रहे हैं। फार्मा कंपनियों का कहना है कि हम लंबे वक्त से कीमतें बढ़ाने की मांग कर रही थे। कच्चे माल की कीमत, यानी दवा बनाने वाले कंपोनेंट्स के दाम पिछले कुछ समय से बढ़ रहे थे, जिसकी वजह से लागत भी बढ़ गई है।

पार्क मेडी वर्ल्ड ने आईपीओ लाने के लिए सेबी को किया आवेदन

- कंपनी की योजना आईपीओ के जरिए 1,260 करोड़ रुपये जुटाने की है

एजेंसी

नई दिल्ली। पार्क ब्रांड के तहत अस्पतालों का संचालन करने वाली कंपनी पार्क मेडी वर्ल्ड ने अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दस्तावेज जमा किए हैं। कंपनी की योजना आईपीओ के जरिए 1,260 करोड़ रुपये जुटाने की है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास दाखिल मसौदा दस्तावेज के मुताबिक इस आईपीओ के जरिए 900 रुपये मूल्य के नए शेयर जारी किए जाएंगे और प्रवर्तक अजीत गुप्ता की तरफ से 300 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए की जाएगी। इसके अलावा कंपनी 192 करोड़ रुपये तक के आईपीओ-पूर्व आवंटन पर भी विचार कर सकती है। कंपनी ने आईपीओ से मिलने वाली राशि में से 410 करोड़ रुपये का उपयोग ऋण भुगतान और 110 करोड़ रुपये का इस्तेमाल एक नए अस्पताल के विकास के साथ मौजूदा एक अस्पताल के विस्तार से संबंधित पूंजीगत व्यय के लिए करने की योजना बनाई है। इसके आलवा कंपनी 77.19 करोड़ रुपये के चिकित्सा उपकरणों की खरीद भी करेगी, जबकि शेष धनराशि का उपयोग नए अधिग्रहण और सामान्य कंपनी उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि अस्पतालों का संचालन करने वाली कंपनी पार्क मेडी वर्ल्ड उत्तर भारत की दूसरी बड़ी निजी अस्पताल श्रृंखला है। ये कंपनी 13 मल्टी-सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों का संचालन करती है। यह अस्पताल नई दिल्ली, हरियाणा के अंबाला, गुरुग्राम, करनाल, पानीपत, पालम विहार, सोनीपत एवं फरीदाबाद, राजस्थान के जयपुर एवं बहरोड़ और पंजाब के पटियाला एवं मोहाली में स्थित हैं।

केरल की कहानी से ज्यादा तुमको मेरी कसम में रुलाएंगी अदा शर्मा

मुंबई। अदा शर्मा एक बेहतरीन कलाकार के रूप में जानी जाती हैं जो अपने किरदार में पूरी तरह से उतर जाती हैं। अपनी पहली फि ल्म 1920 से लेकर केरल की कहानी तक, जहाँ उन्होंने सभी को डरा दिया था, से लेकर सनफ़्लावर तक, जहाँ उन्होंने सभी को यह विश्वास दिलाया कि वह एक बेहतरीन बार डांसर हैं और अपनी कॉमेडी से सभी को हंसाया। तुमको मेरी कसम का प्रीमियर उदयपुर में हुआ। यह फिल्म डॉ. अजय मुर्डिया और इंदिरा मुर्डिया के जीवन पर आधारित है और कैसे उन्होंने कुछ भी नहीं से शुरूआत की और फिर भारत में आईवीएफ क्लीनिक की एक श्रृंखला खोली। फिल्म ने दर्शकों को रुला दिया और अदा के भावनात्मक प्रदर्शन ने सभी को सही दिशा दी। प्रीमियर पर मौजूद एक करीबी सूत्र ने बताया, अदा अपने हर किरदार में पूरी तरह से ढल जाती हैं और यह उनका बेहतरीन प्रदर्शन है, खासकर फिल्म के दूसरे भाग के दृश्य जहां उनका किरदार बीमारी से गुजर रहा है। इश्वाक के साथ अदा की केमिस्ट्री को भी खूबसूरती से दशार्या गया है। वे आपको विश्वास दिलाते हैं कि वे एक वास्तविक युगल हैं। फिल्म बहुत ही आकर्षक है और एक ऐसी फिल्म है जिसे पूरे परिवार के साथ देखा जा सकता है। हाल ही में अदा और अनुपम खेर ने एयरपोर्ट पर एक इंप्रोम्प्टू रील बनाई। अनुपम खेर अदा की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए नजर आए और उन्होंने अदा से कहा कि उन्हें खुद मार्केटिंग सीखनी चाहिए। अदा इस बात से सहमत हैं कि वह इस काम में बहुत अच्छी नहीं हैं।

काइनेटिक ग्रीन ने ई-लूना पर अश्योर्ड बायबैक ऑफर किया पेश

रांची। इलेक्ट्रिक वाहनों की अग्रणी कंपनी काइनेटिक ग्रीन ने ई-लूना के लिए एक खास अश्योर्ड बायबैक ऑफर की घोषणा की है। सीमित अवधि के इस ऑफर के जरिए कंपनी ने ग्राहकों की संतुष्टि और उनकी मानसिक शांति सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूती दी है। काइनेटिक ग्रीन की संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी ने कहा कि काइनेटिक ग्रीन में हम शहरी परिवहन को टिकाऊ और किफायती समाधानों के जरिए नया आकार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ई-लूना एक गेम-चेंजर साबित हुआ है और अश्योर्ड बायबैक ऑफर के साथ हम इसे ग्राहकों के लिए और भी आकर्षक बना रहे हैं। यह पहल ग्राहकों को सुनिश्चित मूल्य की गारंटी देती है और इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती दुनिया में भरोसा भी बढ़ाती है। हम ग्राहकों से अपील करते हैं कि इस विशेष ऑफर का लाभ उठाएं और हरित क्रांति का हिस्सा बनें। इस विशेष पेशकश के तहत ऑफर अवधि में खरीदे गए सभी ई-लूना वाहनों पर कंपनी 36,000 की गारंटीशुदा बायबैक वैल्यू देगी।

एचएएल से रक्षा मंत्रालय खरीदेगा 156 लड़ाकू हेलीकॉप्टर

62,700 करोड़ रुपये का किया अनुबंध

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के साथ 65,000 करोड़ रुपये के दो अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें 156 हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर्स शामिल हैं। इन हेलीकॉप्टरों के सहित अगले पांच वर्षों में भारतीय वायु सेना और भारतीय सेना को सप्लाई की जाएगी। यह कॉन्ट्रैक्ट भारत में आर्थिक विकास और रक्षा उत्पादन में स्वदेशी हितों को प्रोत्साहित करेगा। इसके साथ ही, विभिन्न सशस्त्र बलों के लिए एक सार्वजनिक क्षेत्र के अन्तर्गत कई महत्वपूर्ण सौदे किए गए हैं, जो स्वदेशी रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन समाचारों के माध्यम से, भारत की रक्षा मंत्रालय ने एक बार फिर अपनी निरंतर प्रयासों की दिशा में नए सफलता के जश्न मनाने के लिए एक और मुद्दा उठाया है। रक्षा मंत्रालय ने 156 हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच) खरीदने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ 62,700 करोड़ रुपये के दो अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार पहला अनुबंध भारतीय वायु सेना (आईएएफ) को 66 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टरों की सप्लाई के लिए है और दूसरा भारतीय सेना को 90 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टरों की सप्लाई के लिए है। इन हेलीकॉप्टरों की सप्लाई अनुबंध होने के तीसरे वर्ष से शुरू होगी और अगले पांच वर्षों में पूरी की जाएगी। एलसीएच भारत का पहला स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित लड़ाकू हेलीकॉप्टर है, जो 5,000 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर संचालन की क्षमता रखता है। इस हेलीकॉप्टर के अधिकतर सामान को भारत में डिजाइन और निर्मित किया गया है और इस खरीद की प्रक्रिया के साथ हेलीकॉप्टर कुल स्वदेशी सामग्री 65 प्रतिशत से अधिक हासिल करने की योजना है।

वित्त वर्ष 2025 में पूंजीगत व्यय 35 फीसदी घटा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के वित्त वर्ष 2025 के दौरान पूंजीगत व्यय में 35 प्रतिशत की कमी होने की चिंता बढ़ी है। भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से फरवरी तक कुल खर्च का 79.9 प्रतिशत व्यय हो गया है, जो संशोधित अनुमान के तहत था। नए आंकड़ों के अनुसार सरकार इस अवधि के लक्ष्य से 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक पूंजीगत व्यय के लक्ष्य से दूर है। इसके अलावा, राजस्व व्यय बढ़ने की चिंता भी है जो पूंजी निवेश को प्रभावित कर सकती है। एक अर्थशास्त्री ने वित्त वर्ष 2025 के लिए अनुमान और उम्मीदें व्यक्त की हैं। इस दौरान आयकर संग्रह में बढ़ोतरी की भी मांग है।

सिड श्रीराम और वार्नर म्यूजिक इंडिया के बीच रणनीतिक साझेदारी देगी संगीत जगत को नहीं आयाम

मुंबई। भारतीय और वैश्विक संगीत के भविष्य को फिर से परिभाषित करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, वार्नर म्यूजिक इंडिया ने हमारे समय की सबसे प्रभावशाली और शैली-विरोधी आवाजों में से एक सिड श्रीराम के साथ हाथ मिलाया है। यह गतिशील संयुक्त उद्यम सिर्फ. संगीत रिलीज से कहीं आगे जाता है। यह सिड श्रीराम और वार्नर म्यूजिक इंडिया के बीच एक रणनीतिक साझेदारी स्थापित करता है, जिसमें बढ़ते सिड श्रीराम ब्रांड और हटकके व्यापक संगीत बुनियादी ढांचे को एक साथ लाया जाता है, ताकि कलाकार प्रबंधन, लाइव प्रदर्शन, ब्रांड सहयोग और गैर-फि ल्मी भारतीय भाषा संगीत पर केंद्रित रणनीतिक उपक्रमों को शामिल करते हुए संपूर्ण कलात्मक और व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र को सहयोगात्मक रूप से बदला जा सके। साथ मिलकर, वे वैश्विक प्रतिभा की एक नई लहर की खोज और पोषण भी करेंगे, जिससे सिड के दृष्टिकोण और प्रभाव का विस्तार करने में मदद मिलेगी। इस सहयोग के तहत पहली पेशकश सिवनार है, जो भगवान मुरुगर को समर्पित एक शक्तिशाली आध्यात्मिक और भक्ति ट्रैक है। 3 अप्रैल को रिलीज होने के लिए तैयार, सिड श्रीराम द्वारा निर्मित, व्यवस्थित और प्रस्तुत किया गया यह गीत 14वीं शताब्दी के संत कवि अरुणगिरिनाथर के पूजनीय थिरुप्पुगाज के बोलों से लिया गया है। थाईपुसम उत्सव के दौरान कुआलालंपुर में बाटू गुफाओं मुरुगन मंदिर में फिल्माया गया संगीत वीडियो इस परियोजना में एक गहरी प्रामाणिक और सिनेमाई परत जोड़ता है।

भारतीय उद्योग में आठ कोर इंडस्ट्री की सकारात्मक वृद्धि

नई दिल्ली। हाल ही में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, सीमेंट, उर्वरक, इस्पात, बिजली, कोयला और रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। फरवरी में आठ कोर इंडस्ट्री (आईसीआई) के संयुक्त सूचकांक में 2.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, एप्रैल से फरवरी, 2024-25 के दौरान आईसीआई की संचयी वृद्धि दर 4.4 प्रतिशत है। इस साल कोयला उत्पादन में 1.7 प्रतिशत की वृद्धि और इस्पात उत्पादन में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। साथ ही, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादन में भी 0.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उर्वरक उत्पादन में पिछले महीने 10.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

टाटा न्यू एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड की महत्वपूर्ण उपलब्धि

काड्र्स की संख्या पहुंची 2 मिलियन के पार

रांची/जमशेदपुर। टाटा न्यू और एचडीएफसी बैंक ने आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा की। टाटा न्यू एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड ने जारी किए हुए काड्र्स की संख्या 2 मिलियन पर पहुंच चुकी है। इस महत्वपूर्ण पड़ाव को पार करके टाटा न्यू एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड ने भारत के पसंदीदा रिवॉर्ड क्रेडिट कार्ड में से एक के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है।अगस्त 2022 में लॉन्च होने के बाद से, टाटा न्यू एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड ने प्रगति की बड़ी छलांग लगाई है। जारी किए गए नए कार्डों की एक महत्वपूर्ण हिस्सेदारी (क्यू3 एफवाई 25- आरबीआई में जारी किए गए 13 फीसदी से ज्यादा नेट नए कार्ड) के साथ, इसने देश भर के ग्राहकों का विश्वास और वफादारी तेजी से हासिल की है। टाटा डिजिटल में, चीफ बिजनेस ऑफिसर, फायनेन्शियल सर्विसेस, गौरव हजराती ने कहा, 'टाटा डिजिटल में, हम अपने ग्राहकों के लिए लाभों को अधिक फायदेमंद और पारदर्शी बनाकर क्रेडिट कार्ड के अनुभव में क्रांति लाने के लिए समर्पित हैं। 2 मिलियन से ज्यादा टाटा न्यू एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड जारी करना हमारे ग्राहकों द्वारा न्यू कार्ड पर रखे गए भरोसे का एक मजबूत प्रमाण है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने की राष्ट्रव्यापी रक्तदान की पहल

रांची। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने जीवन साझा करने पर जीवन अच्छा है थीम के तहत एक प्रेरणादायक राष्ट्रव्यापी रक्तदान पहल शुरू की है। स्वैच्छिक रक्तदान के आह्वान से कहीं अधिक, यह अभियान जरूरतमंद लोगों के लिए एकजुटता और देखभाल की एक शक्तिशाली अभिव्यक्ति है। ये शिविर एक बढ़ती पहल का हिस्सा हैं जिसने पहले ही उल्लेखनीय प्रभाव डाला है - 120 से अधिक रक्तदान शिविर आयोजित किए गए हैं, 23 मार्च, 2025 तक 12,500+ पंजीकृत दाताओं से 10000 यूनिट से अधिक रक्त एकत्र किया गया है। जीवन अच्छा है जब जीवन साझा किया जाता है अभियान एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन को प्रज्वलित करता है एक राष्ट्रव्यापी प्रभावः हजारों लोगों की जान बचाई गई इस आंदोलन ने पूरे भारत में समुदायों को एकजुट किया है, विशेष रूप से छात्रों, शिक्षकों और एनएसएस सदस्यों को जीवन-रक्षक दान में भाग लेने के लिए प्रेरित किया है। जीवन तभी अच्छा है जब जीवन साझा किया जाएइ अभियान के माध्यम से, एलजी ने हजारों लोगों को योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया है, जिससे यह देश की सबसे बड़ी कॉर्पोरेट-संचालित रक्तदान पहल में से एक बन गई है। एक बढ़ता हुआ आंदोलनः पूरे भारत में रक्तदान शिविर यह पहल दूर-दूर तक फैल गई है, सूरत, मैंगलोर, बैंगलोर, रायपुर, अमृतसर, दिल्ली और गोरखपुर जैसे प्रमुख शहरों में पहले से ही शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। आगामी शिविर प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में निर्धारित हैं, जिनमें शामिल हैंः सार्वजनिक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, सूरत फादर. मुलर मेडिकल कॉलेज, मैंगलोर राजधानी कॉलेज, दिल्ली एनआईटी दिल्ली, आईआईटी दिल्ली बीबीके डीएवी कॉलेज फॉर वूमेन, अमृतसर और भी कई राष्ट्रव्यापी जागरूकताः रक्तदान का संदेश फैलाना प्रभाव को बढ़ाने के लिए, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने एक व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया है, जिसके माध्यम से लाखों लोगों तक पहुंचा जा रहा हैः रेडियो प्रसारण डिजिटल प्रचार प्रमुख स्थानों पर पोस्टर और बैनर कॉलेजों और सरकारी कार्यालयों के साथ सहयोग यह व्यापक आउटरीच यह सुनिश्चित करती है कि अधिक से अधिक लोग रक्तदान की महत्वपूर्ण आवश्यकता को समझें और इस उद्देश्य का समर्थन करने के लिए आगे बढ़ें। निर्बाध भागीदारीः दानदाताओं के लिए एक समर्पित माइक्रोसाइट भागीदारी को आसान बनाने के लिए, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने एक समर्पित रक्तदान माइक्रोसाइट बनाई है।

तन्मय नागर ने जॉइन किया सोनी सब का पुष्पा इम्पॉसिबल

एजेंसी

मुंबई। सोनी सब का शो 'पुष्पा इम्पॉसिबल में अभिनेता तन्मय नागर शो में अर्जुन सिंह शेखावत की भूमिका में एंट्री कर रहे हैं। अर्जुन सिंह शेखावत प्रतिष्ठित शेखावत मसाले के वारिस हैं। उनका संबंध एक शाही परिवार से है और उनका व्यक्तित्व बेहद जटिल और बहुआयामी है। अर्जुन की शख्सियत आत्मविश्वास और आकर्षण से भरी हुई है, लेकिन इस बाहरी चमक के पीछे एक अस्थिर और अप्रत्याशित इंटेंसिटी छिपी है। उनके व्यक्तित्व को उनके सख्त और रूढ़िवादी परिवार में बिताए गए कड़वे अनुभवों ने गहराई से प्रभावित किया है। तन्मय नागर ने कहा, मैं 'पुष्पा इम्पॉसिबल में अर्जुन की दुनिया परंपराओं और एक कठिन अतीत से बंधी है, जो उसे एक अनोखा किरदार बनाती है। वह न तो पूरी तरह हीरो है और न ही विलेन, बल्कि उसकी कमजोरियां, संघर्ष और भावनाएं उसे दर्शकों के करीब लाएंगी। जो सभी को बांधे रखेंगे।

क्या आप हैं अच्छे प्रोफेशनल

इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस पेशे में हैं या कहां नौकरी कर रहे हैं। जो बात मायने रखती है, वह यह कि आप अपने पेशेवर दायित्वों को कितनी निष्ठा और ईमानदारी से निभा रहे हैं। एक अच्छा प्रोफेशनल बहुत आसान से दिखने वाले कामों को भी पूरे समर्पण और विशिष्टता के साथ पूरा करता है।

ह्यूमन रिसोर्स के करियर में कई लोगों को इस सवाल से जूझते देखा गया है। रोचक यह है कि यह दुविधा कई लोगों को होती है, चाहे वे किसी भी प्रोफेशन से जुड़े हों, चाहे वे कितने भी अनुभवी हों और चाहे करियर के जिस भी पड़ाव पर हों। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि किसी का प्रोफेशन क्या है, फर्क इससे पड़ता है कि वह अपने कर्तव्यों को किस प्रतिबद्धता से पूरा कर रहा है।

अगर आप चाहते हैं कि आप भी प्रोफेशनल कहलाएं, कोई मुकाम हासिल करें और लोग आपकी उपलब्धियों को याद रखें तो आपको अपने काम करने के तरीकों पर गौर करने की जरूरत है। याद रखें, लोग सिर्फ परिणाम देखते हैं, आपके इरादे या बातें नहीं। जानते हैं ऐसी ही कुछ बातें, जो आपको एक अच्छा प्रोफशनल बना सकती हैं।

वादों और इरादों में सामंजस्य

हम सब कई तरह के वादे करते हैं, पर एक अच्छा प्रोफेशनल अपने वादों को पूरा करने का पक्का इरादा रखता है। जब हम लोगों को यह दिखाते हैं कि हमारे वादे हमारे इरादों से अलग नहीं हैं तो वे सारे वादे कितने ही साधारण क्यों न हों, हमें सामने वालों की नजरों में खास बना देते हैं। ऐसी स्थिति में आसपास रहने वाले लोग भी अपने वादे पूरे करने के लिये प्रेरित होते हैं। लंदन बिजनेस स्कूल के विशेषज्ञों डोनल्ड सेल और डॉमिनिक होल्डर के मुताबिक, जब तक हमें यह नहीं मालूम होता कि हमारे लिये सबसे अधिक महत्वपूर्ण क्या है, तब तक हमारे वादे और इरादे एक नहीं हो पाते। प्रोफेशनल्स को यह पता होता है कि उनके लिये सबसे अधिक महत्वपूर्ण क्या है। इसी कारण वे अपने लक्ष्य से भटकते नहीं हैं।

दूसरे प्रोफेशनल लोगों के प्रति आदर

एक प्रोफेशनल व्यक्ति अपने ही जैसे दूसरे प्रोफेशनल लोगों का सम्मान करता है। यह सही है कि हम सब अपने संस्थान में अलग-अलग तरह की पेशेवर योग्यताओं के कारण अलग-अलग भूमिकाएं निभाते हैं। यदि हम कुछ काम दूसरों से बेहतर करते हैं तो कई काम ऐसे हैं, जो दूसरे हमसे बेहतर करते हैं। पर कई बार हम दूसरों के कामों का महत्व कम आंकते हैं। आज की दुनिया तेजी से विशेषज्ञता की ओर जा रही है। आज वही सफल हैं, जो दूसरों की विशेषज्ञता की कद्र करते हैं और उनसे सीखने के लिए तत्पर रहते हैं। इसलिए किसी के बारे में कुछ भी बोलने से पहले अपनी जरूरतों के बारे में सोच लेना अच्छा रहता है।

विशेषज्ञ दिखने और होने का अंतर

किसी प्रोफेशनल व्यक्ति की इज्जत उसके विशेष ज्ञान के कारण होती है, पर क्या आप इस विशेषज्ञता के कारण व्यक्ति के बदले हुए व्यवहार को पसंद करेंगे? अगर आपको एक घमंडी और एक विनम्र प्रोफेशनल में से किसी को चुनना हो तो आप किसे चुनेंगे? इस सवाल का जवाब बहुत ही आसान है। मानवीय संबंधों के नियम ऊंचे और नीचे के स्तर में भेद नहीं करते। अगर आपकी काबिलियत आपको दूसरों से बेहतर बनाती है तो भी आपको दूसरों से उनके स्तर पर ही बातचीत करनी होती है। लीडरशिप ट्रेनर पीटर ब्लॉक ने कहा है, 'अगर आप दूसरों से इंसानों की तरह पेश नहीं आते तो चाहे आपकी सलाह कितनी भी लाभदायक क्यों न हो, लोग आपसे मिलना और आपकी बातों को मानना पसंद नहीं करेंगे।'

अच्छाइयों पर ध्यान देना

इंसान में कमजोरियां स्वाभाविक हैं, लेकिन एक प्रोफेशनल व्यक्ति अपनी खूबियों के बल पर ही सफलता पाता है। गैलप के द्वारा 63 देशों में 101 कंपनियों के 17 लाख कर्मचारियों पर किये गये सर्वेक्षण में यह पाया गया कि अपने रोजमर्रा के कामों में मात्र 20 प्रतिशत लोग ही अपनी खूबियों पर ध्यान देते हैं और उनका उपयोग करते हैं। इसी तरह से एक प्रोफेशनल व्यक्ति भी दूसरों की खूबियों पर ध्यान देता है, न कि उनकी कमजोरियों पर। सामने वाले व्यक्ति में खूबियां ढूंढना और उसे उसकी क्षमता से अधिक करने के लिये प्रेरित करना प्रोफेशनलिज्म की निशानी है।

प्रोफेशनल आचरण का पालन

प्रोफशनल शब्द प्रोफेशियो से बना है, जिसका अर्थ है, शपथ लेना या कसम खाना। ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी के अनुसार प्रोफेशनल वही है, जो किसी पेशे से जुड़ा हुआ होता है। प्रोफेशनल होने के कारण हमें पेशे से जुड़े नीति, नियम, आचार, विचार आदि पर ध्यान देना होगा। रोजमर्रा के जीवन में इन नियमों का पालन करने से ही लोग हमें सम्मान देते हैं। वास्तव में प्रोफेशनल और गैर प्रोफेशनल के बीच सबसे बड़ा अंतर इन नियमों के पालन का ही है। पीटर ड्रकर के अनुसार लक्ष्य पाने के लिये मूल्यों का होना जरूरी है और दिशा-निर्देशक मूल्यों के बगैर हर प्रोफेशन अधूरा है। यही मूल्य आचरण के नियमों में बदल जाते हैं। भले ही यह दिखायी न पड़े, लेकिन इसके बगैर कोई भी इंसान पूरी तरह प्रोफेशनल नहीं हो सकता।

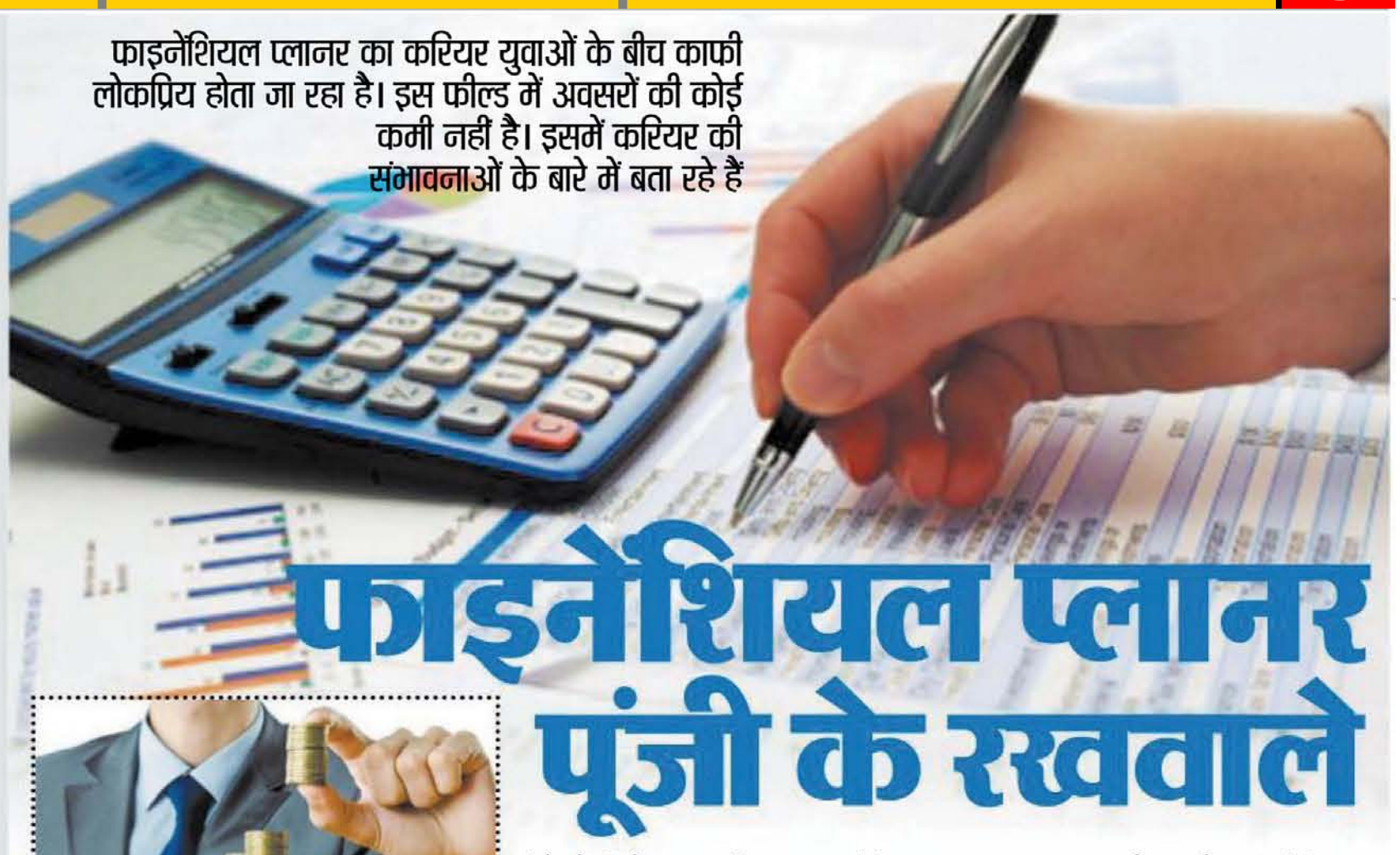

फाइनेंशियल प्लानर का करियर युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय होता जा रहा है। इस फील्ड में अवसरों की कोई कमी नहीं है। इसमें करियर की संभावनाओं के बारे में बता रहे हैं

फाइनेंशियल प्लानर पूंजी के रखवाले

इसमें कोई दो राय नहीं कि गत कुछ वर्षो से देश की अर्थव्यवस्था में तेजी से बदलाव आया है। कई विदेशी कंपनियां भी यहां खुद को स्थापित कर रही हैं। इससे कई सेक्टर गुलजार हो रहे हैं। इन्हीं में से एक फाइनेंस सेक्टर भी है। चाहे मल्टीनेशनल कंपनियां हों या अन्य, सभी में फाइनेंशियल प्लानर अथवा उससे जुड़े एक्सपर्ट्स की जरूरत है। प्राइवेट सेक्टर के बैंकों की बुनियाद ही फाइनेंशियल प्लानर के बूते रखी जाती है।

सही मायने में देखा जाए तो फाइनेंस प्रबंधन से जुड़ा वह विज्ञान है, जिसमें धन या अन्य साधनों के निवेश की विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी मिलती है। इसमें वित्तीय आदान-प्रदान में प्रबंधन के नए-नए तरीके ईजाद किए जाते हैं। इसमें इंटरनेशनल फाइनेंसिंग, मल्टी करेंसी ट्रेनिंग, अरेंजिंग स्वेप, इंटरनेशनल लीज, फाइनेंसिंग आदि को शामिल किया जा सकता है। इन सब में फाइनेंशियल प्लानरों की भूमिका अहम होती है।

पाठ्यक्रम से जुड़ी जानकारी

इसमें एमबीए, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा से लेकर कई तरह के सर्टिफिकेट कोर्स मौजूद हैं। सीए, सीएस, सीएमए व सीएफए करने के बाद भी फाइनेंशियल प्लानिंग का काम किया जा सकता है। एमबीए व पीजी डिप्लोमा में प्रवेश कैट, मैट व ऐसी ही किसी अन्य मैनेजमेंट प्रवेश परीक्षा पास करने के बाद मिलता है। कई ऐसे पाठ्यक्रम हैं, जिनमें प्राइवेट संस्थान वर्ष भर में दो बार दाखिला लेते हैं। अधिकांश पाठ्यक्रम ऐसे हैं, जो वर्किंग प्रोफेशनल्स को ध्यान में रख कर शुरू किए गए हैं।

किन क्षेत्रों में हैं अवसर

विगत कुछ वर्षों के बाजार को देखते हुए कहा जा सकता है कि इसमें फाइनेंशियल प्लानर के लिए रोजगार के भरपूर अवसर हैं। कुछ चुनिंदा क्षेत्र निम्न हैं-

फाइनेंशियल प्लानिंग फर्म्स- फाइनेंशियल प्लानिंग मैनेजर, रिलेशनशिप मैनेजर तथा एसोसिएट ऑडिटर जैसे कई महत्वपूर्ण स्थान हैं, जहां बैठ कर अपनी किस्मत संवारी जा सकती है।

इंश्योरेंस कंपनीज- लगभग 25 प्रतिशत की दर से ग्रोथ कर रही इंश्योरेंस इंडस्ट्री में जीवन बीमा व सामान्य बीमा, दोनों रूपों में अवसर मिलते हैं। इसमें सामान्यत- ब्रांच मैनेजर, सेल्स मैनेजर, ऑपरेशन मैनेजर, प्रोडक्ट मैनेजर, एजेंसी मैनेजर के रूप में काम किया जा सकता है, जबकि ब्रोकिंग फर्म्स में रिसर्च एनालिस्ट, रिलेशनशिप मैनेजर जैसे पद मिलते हैं।

बैंकिंग सेक्टर- पाठ्यक्रम पूरा करने के पश्चात छात्र यदि बैंकिंग के क्षेत्र में हाथ आजमाना चाहते हैं तो मुख्यत इनवेस्टमेंट एडवाइजरी मैनेजर, इनवेस्टमेंट रिलेशनशिप मैनेजर, रिटेल रिलेशनशिप ऑफिसर, म्युचुअल फंड मैनेजर आदि पद पर जा सकते हैं।

केपीओ सेक्टर- केपीओ यानी नॉलेज प्रोसेसिंग आउटसोर्स तेजी से अपना जाल फैला रहा है। फाइनेंशियल कोर्स के पश्चात छात्र डाटा एनालिस्ट, मार्केट रिसर्चर, क्लाइंट डेवलपमेंट एनालिस्ट, बिजनेस एनालिस्ट, फाइनेंशियल एनालिस्ट तथा रिसर्च एसोसिएट के रूप में अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

इक्विटी रिसर्च फर्म्स- इस क्षेत्र में डिग्री धारक छात्र रिसर्च एनालिस्ट, इक्विटी एनालिस्ट, बिजनेस एनालिस्ट, रिसर्च एसोसिएट तथा टेक्निकल एनालिस्ट बन कर पद तथा प्रतिष्ठा दोनों अर्जित कर सकते हैं।

नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनीज- रिलेशनशिप मैनेजर, फाइनेंशियल प्लानिंग मैनेजर आदि के रूप में अलग पहचान बनाने की तमन्ना रखने वाले छात्रों के लिए भी यह सुनहरा क्षेत्र है।

शैक्षिक योग्यता

ज्यादातर कोर्स पीजी अथवा मास्टर लेवल के हैं। ऐसे में इन कोर्सो के लिए छात्र का ग्रेजुएट होना आवश्यक है। कुछ संस्थान फाइनेंशियल प्लानिंग में सर्टिफिकेट कोर्स भी कराते हैं। इसके लिए भी संबंधित संस्थान ग्रेजुएट की डिमांड करते हैं। कुछ ऐसे भी कोर्स चलन में आए हैं, जिन्हें बारहवीं (कॉमर्स, इकोनॉमिक्स व स्टैटिस्टिक्स सहित) के बाद किया जा सकता है।

आवश्यक स्किल्स

शैक्षिक योग्यता के साथ-साथ कई ऐसे गुण भी हैं, जो जॉब दिलाने के साथ-साथ प्रोफेशन में भी आगे ले जाते हैं। इनमें मुख्य रूप से धैर्य, टीम वर्क, प्रॉब्लम सॉल्विंग, टैक्स-बिजनेस आदि में रुचि, तार्किक दिमाग, प्रभावशाली संवाद, कम्प्यूटर की जानकारी, क्लाइंट से किया गया वादा पूरा करने का सामर्थ्य आदि शामिल हैं।

संभावनाएं

फाइनेंशियल प्लानर के रूप में प्रोफेशनल्स को कई जगह अवसर मिलते हैं। फेशर्स को वेल्थ मैनेजमेंट, टैक्स कंसल्टेंसी, पेंशन फंड, फाइनेंशियल सर्विस फर्म व कई सारे बैंक इन्हें ट्रेनी अथवा एग्जिक्यूटिव के रूप में जॉब देते हैं। जैसे ही ये उससे ऊपर उठते हैं, उन्हें सेल्स मैनेजर, रिलेशनशिप मैनेजर, वेल्थ मैनेजर की पोस्ट मिलती है। यदि खुद का काम करना चाहते हैं तो कंसल्टेंसी खोल कर या फ्रीलांस के रूप में अपनी सेवा दे सकते हैं।

एजुकेशन लोन

छात्रों को प्रमुख राष्ट्रीयकृत, प्राइवेट अथवा विदेशी बैंकों द्वारा एजुकेशन लोन प्रदान किया जाता है। छात्र को जिस संस्थान में एडमिशन कराना होता है, वहां से जारी एडमिशन लेटर, हॉस्टल खर्च, ट्यूशन फीस एवं अन्य खर्चो का ब्योरा बैंक को देना होता है। अंतिम निर्णय बैंक को करना होता है।

वेतनमान

इस प्रोफेशन में सेलरी के रूप में कभी निराशा हाथ नहीं लगती। इसमें एंट्री लेवल पर प्रोफेशनल्स को 15-20 हजार रुपए प्रतिमाह मिलते हैं। दो-तीन साल के अनुभव के पश्चात यह सेलरी बढ़ कर 30-35 हजार रुपए प्रतिमाह हो जाती है, जबकि सीनियर लेवल पर 50-60 हजार रुपए प्रतिमाह दिया जा रहे हैं। कई ऐसे प्रोफेशनल्स हैं, जो जॉब न कर खुद की कंसल्टेंसी सर्विस चला रहे हैं। उनके लिए आमदनी की कोई निश्चित सीमा नहीं होती।

इंजीनियरिंग छात्र बनेंगे और रोजगार कुशल

रोजगार के लिहाज से कुशलता के लिए इंजीनियरिंग छात्र उच्च संस्थानों से प्रशिक्षण हासिल करेंगे. भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के बाद अब राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईई-एलआईटी) के प्रशिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे.

इंजीनियरिंग के छात्रों को रोजगार संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए बीएसएनएल से हाथ मिलाने के बाद अब अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) एनआईईएलआईटी के साथ हाथ मिलाएगा. एनआईईएलआईटी से एआईसीटीई के साथ अनुबंध होने के बाद इंजीनियरिंग के छात्र पाठ्यक्रम के अलावा प्रायोगिक रूप से रोजगार के लिहाज प्रशिक्षण हासिल कर सकेंगे.

उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के तहत आने वाले देशभर के इंजीनियरिंग कालेजों के छात्र अपने पाठ्यक्रम के मुताबिक शिक्षा प्राप्त करते हैं. लेकिन इन छात्रों को रोजगार के लिहाज से कुशल प्रशिक्षण नहीं मिल पाता है. इसके मद्देनजर एआईसीटीई ने कुछ महीने पहले बीएसएनएल के साथ एक अनुबंध किया था कि इंजीनियरिंग छात्रों को रोजगार के मुताबिक इंजीनियरिंग छात्रों को प्रशिक्षित कि या जा सके और वे टेलीकॉम उद्योग के क्षेत्र में कुशलता हासिल करके रोजगार प्राप्त कर सके. इसके लिए बीएसएनएल के 43 प्रशिक्षण केंद्रों में अब तक 7500 इंजीनियरिंग छात्रों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है. वोकेनशल ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत बीएसएनएल के प्रशिक्षण केंद्रों में एआईसीटीई की ओर इंजीनियरिंग कालेजों के छात्रों को नामित किया जाता है. इसी तरह से अब अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ अनुबंध करने जा रहा है. इसके बाद इंजीनियरिंग के छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक एवं इंफार्मेशन टेक्नालॉजी का प्रशिक्षण एनआईईएलआईटी के प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण मिल सकेगा. एआईईएलआईटी के देशभर में करीब आठ सौ प्रशिक्षण केंद्र हैं. अनुबंध के बाद एआईईएलआइी के प्रशिक्षण केंद्रों में इंजीनियरिंग के छात्रों को प्रशिक्षण के लिए नामित करने का काम एआईसीटीई की ओर से किया जाएगा.

राशा थडानी ने तमन्ना-विजय को बताया अपना गॉडपेरेंट

पिछले कुछ दिनों से तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा अपने ब्रेकअप की खबरों से सुर्खियों में बने हुए है। इस बीच अभिनेत्री राशा थडानी ने इन दोनों से अपने खास कनेक्शन के बारे में साझा किया। अभिनेत्री ने दोनों को अपना गॉडपेरेंट्स बताया। रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने हाल ही में 'आजाद' फिल्म से डेब्यू किया है। इस फिल्म में उनके साथ अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन ने भी बॉलीवुड में कदम रखा है।

कैसे हुई तमन्ना और विजय से मुलाकात?

फिल्मफेयर से बातचीत के दौरान जब राशा से तमन्ना के साथ उनके स्पेशल बॉन्ड के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने बताया कि वो कैसे मिले? अभिनेत्री ने कहा, यह बहुत ही मजेदार कहानी है। हम किसी के जन्मदिन पर थे और वहां एक लाइव सिंगर परफॉर्म कर रहा था। मैं स्टेज के पास उसके गानों पर डांस कर रही थी और वह भी। हमने एक-दूसरे को देखा साथ में डांस करना शुरू कर दिया और बस इतना ही काफी था।

दोनों को बताया गॉडपेरेंट्स

अभिनेत्री ने यह भी कहा कि वह तमन्ना के साथ इतनी घुलमिल गई हैं कि उन्हें लगता है कि वह और विजय उनके सबसे करीबी हैं। उन्होंने कहा, हम इतनी जल्दी घुलमिल गए और अब मुझे नहीं पता कि मैं उनके बिना क्या करूंगी। इस समय तमन्ना और विजय मेरे सबसे करीब हैं, वो मेरे गॉडपेरेंट्स की तरह हैं। राशा थडानी के 20वें जन्मदिन की पार्टी में भी तमन्ना भाटिया ने शिरकत की उन्होंने निर्माता प्रज्ञा कपूर की होली पार्टी में भी राशा के साथ समय बिताया।

राशा, तमन्ना और विजय का वर्क फ्रंट

राशा थडानी की पहली फिल्म 'आजाद' 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और 14 मार्च से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। तमन्ना भाटिया को आखिरी बार तमिल फिल्म 'अरनमनई 4' में देखा गया था और वह जल्द ही तेलुगु फिल्म 'ओडेला 2' में नजर आएंगी। विजय को आखिरी बार 'मर्डर मुबारक' और 'आईसी 814- द कंधार हाईजैक' में देखा गया था। वह जल्द ही 'उल जलूल इश्क' में नजर आएंगे।

पिछले कुछ दिनों से तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा अपने ब्रेकअप की खबरों से सुर्खियों में बने हुए है। इस बीच अभिनेत्री राशा थडानी ने इन दोनों से अपने खास कनेक्शन के बारे में साझा किया।

पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सजग रहती हैं तमन्ना भाटिया

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर लोगों की बढ़ती जिज्ञासा पर बात की। वह जानती हैं कि लोग हमेशा उनके बारे में जानना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी प्राइवेट हैं और केवल वही शेयर करती हैं, जिसमें वो सहज हैं। जब उनसे पूछा गया कि वह अपने निजता को कैसे बनाए रखती हैं वो भी तब जब लोग उनके बारे में और अधिक जानना चाहते हैं। तमन्ना ने बताया, मुझे लोगों से मिलना-जुलना पसंद है। मुझे लोग अच्छे लगते हैं। मुझे हवाई अड्डे पर लोगों से मिलना जुलना अच्छा लगता है, मैं लोगों के साथ तस्वीरें खिंचवाती हूं। मैं ये सब बहुत खुशी से कर रही थी।

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने एक किस्सा भी शेयर किया। उन्होंने बताया कि कैसे एक शख्स उन्हें देखते-देखते थक गया था। अभिनेत्री ने कहा, उसने मुझसे कहा, सुनो, मैं तुम्हें ये करते हुए देखकर थक गया हूं। क्या तुम्हें थकान नहीं होती? मैंने जवाब दिया, सुनो, मैंने ये काम चुना है। मैंने लोगों के बीच रहना चुना है। मैंने एक तरह से लोगों के लिए खुद को चुना है। वह अपनी पसंद से खुश हैं और उन्हें लोग पसंद हैं। मुझे अचानक घटने वाली चीजों से कोई परेशानी नहीं है। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें अजनबियों से बात करना बहुत पसंद है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ये एक खास अनुभव होता है, क्योंकि इससे आप ज्यादा गहराई से बातचीत कर पाते हैं। मैं अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी प्राइवेट हूं। जितना मुझे ठीक लगता है, उतना ही मैं शेयर करती हूं। मुझे इस बारे में कोई शिकायत नहीं है। तमन्ना ने 2005 में फिल्म चांद सा रोशन चेहरा से अपने करियर की शुरुआत की थी। 86 फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री ने कहा, मुझे लगता है कि आज मैं जिस मुकाम पर हूं, उसका सबसे अच्छा हिस्सा ये है कि मैं समझती हूं कि मेरी जिंदगी में हर मोड़ क्यों महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा, मैं उन उतार-चढ़ावों के लिए बहुत आभारी हूं। अगर वे उतार-चढ़ाव न होते, तो मैं कभी सीख ही नहीं पाती। इसलिए हर उतार-चढ़ाव ने मुझे वास्तव में विकसित होने का अवसर दिया। वह इन मोड़ों को एक अवसर मानती हैं, पर उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आज, अपने करियर के 20 सालों को देखकर, मुझे यह नजरिया मिला है। मैं सच में मानती हूं कि हर मोड़ और बदलाव एक मौका था और मैं उनके लिए आभारी हूं।

19 सितंबर को आमने सामने होंगे अक्षय कुमार और अरशद वारसी

अरशद वारसी अभिनीत जॉली एलएलबी और अक्षय कुमार की जॉली एलएलबी 2 को दर्शकों और समीक्षकों का भरपूर प्यार मिला था। इन दोनों भागों की सफलता के बाद निर्माताओं ने फिल्म के तीसरे भाग का एलान कर दिया था। अक्षय और अरशद की आने वाली फिल्म जॉली एलएलबी 3 की रिलीज डेट सामने आ गई है। सुभाष कपूर द्वारा निर्देशित यह फिल्म इस साल सितंबर में सिनेमाघरों में आएगी। इसमें सौरभ शुक्ला और हुमा कुरैशी भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने एक्स पर फिल्म की रिलीज डेट शेयर की। उन्होंने लिखा, अक्षय कुमार-अरशद वारसी की जॉली एलएलबी 3 की रिलीज डेट लॉक हो गई। वायकॉम 18 स्टूडियोज ने 19 सितंबर 2025 को बहुप्रतीक्षित फिल्म जॉली एलएलबी 3 के लिए रिलीज डेट लॉक कर दी है, जो फ्रेंचाइजी की सबसे बड़ी फिल्म है। स्टार्स- अक्षय कुमार (जॉली मिश्रा के रूप में) और अरशद वारसी (जॉली त्यागी के रूप में), निर्देशक सुभाष कपूर। पहली जॉली एलएलबी फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी, जिसके बाद 2017 में इसका सीक्वल आया। तीसरी फिल्म में अक्षय और अरशद के बीच मुकाबला होने की उम्मीद है, जिसमें सौरभ शुक्ला जज की अपनी भूमिका दोहराएंगे। जॉली एलएलबी 3 की शूटिंग मई 2024 में अजमेर में शुरू हुई थी, जहां शूटिंग के लिए अजमेर के डीआरएम कार्यालय में विशेष रूप से एक कोर्ट रूम बनाया गया है।

रोहित शेट्टी की फिल्म में नजर आएंगे जॉन अब्राहम!

बॉलीवुड के एक्शन स्टार जॉन अब्राहम और कई हिट फिल्में देने वाले निर्देशक रोहित शेट्टी के साथ काम करने की खबरें लंबे समय से चर्चा में थीं। अब जॉन ने इस खबर को कन्फर्म कर दिया है। अभिनेता ने इसे एक धमाकेदार प्रोजेक्ट करार दिया है। बातचीत में जॉन अब्राहम से पूछा गया कि क्या वह रोहित शेट्टी के साथ काम कर रहे हैं। इस पर जॉन ने खुलकर कहा, हां, हमने बात की है। मैं सच कहूं तो रोहित के साथ काम करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। हम दोनों लंबे समय से साथ में कुछ करना चाहते थे। हमारी बातचीत कई बार हुई है। मुझे उम्मीद है कि जल्द ही कुछ अच्छा सामने आएगा। जॉन ने यह भी कहा कि उनका और रोहित का प्रोजेक्ट का विषय काफी शानदार है। उन्होंने इसे बैंगर यानी धमाकेदार बताया और कहा कि यह दर्शकों को जरूर पसंद आएगा।

जिम की कहानी को आगे बढ़ाना चाहते हैं जॉन- जॉन ने अपनी हिट फिल्म पठान के किरदार जिम को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि वह जिम की कहानी को प्रीक्वल के तौर पर आगे बढ़ाना चाहते हैं। जॉन हमेशा से ऐसी स्क्रिप्ट्स चुनते हैं, जो खास हों। उन्होंने बताया, मैं अच्छे प्रोजेक्ट के लिए इंतजार करने को तैयार हूं। मैं एक मजेदार, हल्की-फुल्की, लेकिन अच्छी तरह से लिखी हुई फिल्म करना चाहता हूं, जो दर्शकों को बांधे रखे।

गरम मसाला और देसी बॉयज के सीक्वल पर की बात- जॉन ने गरम मसाला और देसी बॉयज के सीक्वल की भी बात की। इन दोनों फिल्मों में उनके साथ अक्षय कुमार थे। जॉन ने कहा, हम इन दोनों में से किसी एक या दोनों फिल्मों के सीक्वल को बनाने में मजा आएगा। अक्षय के साथ काम करना छुट्टी मनाने की तरह है। वह बहुत अच्छे इंसान हैं। हम साथ में खूब मस्ती करेंगे।

द डिप्लोमैट हाल ही में हुई रिलीज- जॉन अब्राहम हाल ही में पॉलिटिकल थ्रिलर फिल्म द डिप्लोमैट में नजर आए हैं। इस फिल्म को शिवम नायर ने निर्देशित किया है। इसमें सादिया खतीब, रेवती, कुमुद मिश्रा, शारिब हाशमी और जगजीत संधू जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में हैं। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई है।

भारत में छह साल बाद ओटीटी पर रिलीज होगी धनुष की हॉलीवुड डेब्यू फिल्म द एक्स्ट्राऑर्डिनरी...

धनुष अभिनीत 2018 की एडवेंचर कॉमेडी फिल्म एक्स्ट्राऑर्डिनरी जर्नी ऑफ द फकीर आखिरकार स्ट्रीमिंग के लिए भारत आ रही है यह फिल्म धनुष की हॉलीवुड में पहली फिल्म थी, भारत के बाहर के दर्शकों के लिए प्राइम वीडियो पर उपलब्ध थी। अब लगभग सात साल बाद भारतीय दर्शक 26 मार्च, 2025 से अहा पर यह फिल्म देख सकेंगे। यह फिल्म एक फ्रांसीसी उपन्यास द एक्स्ट्राऑर्डिनरी जर्नी ऑफ द फकीर हू गॉट ट्रैप्ड इन ए वार्डरोब से प्रेरित है। यह फिल्म अजातशत्रु अजा लावाश पटेल धनुष की कहानी है, जो मुंबई का एक जादूगर है, जो लोगों को यह विश्वास दिलाकर मूर्ख बनाता है कि उसके पास वास्तविक जादुई शक्तियां हैं। अपनी मां की मृत्यु के बाद अजा एक नकली 100 यूरो के नोट के साथ पेरिस में अपने अलग हुए पिता को ढूंढने निकल पड़ता है। केन स्कॉट द्वारा निर्देशित द एक्स्ट्राऑर्डिनरी जर्नी ऑफ द फकीर की कहानी स्कॉट, रोमेन पुएर्तोलास और ल्यूक बोसी द्वारा लिखी गई है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण विकास पर खर्च करेगा 56 करोड़

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 5597 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दे दी है। प्रदेश के मुख्य सचिव और नोएडा- ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में 29 मार्च को संपन्न बोर्ड बैठक में इस पर मुहर लग गई है। आगामी वित्त वर्ष में सर्वाधिक जोर जमीन अधिग्रहण, विकास एवं निर्माण कार्यों पर रहेगा। इसके अलावा इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने तथा गांवों व सेक्टरों के विकास कार्यों पर रहेगा। इसके साथ ही आगामी वित्त वर्ष में आमदनी और खर्च की रकम भी बराबर रहने का आकलन लगाया गया है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने बताया कि बीते कुछ वर्षों में ग्रेटर नोएडा के प्रति औद्योगिक निवेशकों का रुझान तेजी से बढ़ा है। तमाम निवेशक उद्योग लगाने के लिए जमीन मांग रहे हैं। उनको जमीन उपलब्ध कराने के लिए प्राधिकरण लगातार प्रयासरत है। इस वजह 2025-26 के बजट में जमीन अधिग्रहण और इंफ्रास्ट्रक्चर पर अधिक जोर दिया जा रहा है। इस बार जमीन अधिग्रहण पर करीब 1400 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है। इसके साथ ही निर्माण व विकास कार्यों पर भी विशेष फोकस किया जा रहा है। इसके लिए लगभग 1973 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। इस साल गावों के विकास पर 515 करोड़ रुपये खर्च करने का लक्ष्य है। आगामी वित्तीय वर्ष के लिए पूंजीगत भुगतान पर 292 करोड़ रुपये खर्च करने का आकलन है। यह रकम ग्रेटर नोएडा वेस्ट में एक स्टेडियम/स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण, शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण, ग्रेटर नोएडा ईस्ट व वेस्ट में बड़े ग्राउंड का निर्माण, सेक्टरों में मल्टीपरपज हॉल या सामुदायिक केंद्र का निर्माण, ग्रेटर नोएडा वेस्ट की मेट्रो का निर्माण, जेवर एयरपोर्ट में अंशदान आदि पर खर्च करने का लक्ष्य है। विकास एवं निर्माण कार्यों के लिए तय 1973 करोड़ रुपये को फुटओवर ब्रिज का निर्माण, एसटीपी, अंडरपास का निर्माण, स्ट्रक्चर पार्क, विद्युत सबस्टेशन, नए कॉलेजों का निर्माण, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में अस्पताल/हेल्थ सेंटर का निर्माण, वेंडर मार्केट, क्योस्क का निर्माण आदि कार्य शामिल हैं। 2025-26 वित्त वर्ष के लिए 100 करोड़ रुपये ग्रीनरी पर खर्च करने का लक्ष्य है। इस बैठक में चेयरमैन और सीईओ के अलावा नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ लोकेश एम, डीएम मनीष कुमार वर्मा, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव, एसीईओ सुनील कुमार सिंह, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, एसीईओ प्रेरणा सिंह, यीडा के एसीईओ नागेंद्र प्रताप, जीएम वित्त विनोद कुमार, जीएम प्लानिंग लीनू सहगल, जीएम प्रोजेक्ट एके सिंह, ओएसडी एनके सिंह आदि अधिकारीगण मौजूद रहे। इससे पहले मुख्य सचिव के आगमन पर ग्रेटर नोएडा एंप्लाइज एसोसिएशन के अध्यक्ष सोनू भड़ाना ने उनका स्वागत किया।

रजिस्ट्री पर विलंब शुल्क से फ्लैट खरीदारों को राहत

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने फ्लैट खरीदारों को एक और बड़ी राहत दे दी है। जिन फ्लैट खरीदारों ने अभी तक रजिस्ट्री नहीं कराई थी, उन पर प्रतिदिन 100 रुपए के हिसाब से जुर्माना लग रहा था। प्राधिकरण ने तीन माह के लिए इस जुर्माने से राहत दे दी है। बोर्ड के फैसले के दिन से तीन माह के भीतर अगर खरीदार रजिस्ट्री करा लेते हैं, तो इस पेनल्टी से बच जाएंगे।

परिसंपत्तियों की मौजूदा आवंटन दरों में 5 फीसदी की वृद्धि पर भी बोर्ड की मुहर

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए परिसंपत्तियों की नई आवंटन दरें तय कर दी हैं। इस बार औद्योगिक भूखंडों, आईटी पार्क व डाटा सेंटर, आवासीय, वाणिज्यिक व बिल्डर व संस्थागत, सभी तरह की संपत्तियों की वर्तमान दरों में औसतन पांच फीसदी वृद्धि होगी। आवंटन दरों में वृद्धि पर प्राधिकरण बोर्ड ने मुहर लगा दी है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के वित्त विभाग की तरफ से वर्तमान आवंटन दरों में 5 फीसदी की वृद्धि का प्रस्ताव रखा गया, जिस पर बोर्ड ने सहमति दे दी है। वित्त विभाग की तरफ से बताया गया कि ग्रेटर नोएडा में जमीन की मांग काफी ब? गई है। निवेशकों को विकसित भूखंड उपलब्ध कराने के लिए जमीन अधिग्रहण व आधारभूत परियोजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है। विगत स्कीमों में ऑक्शन से प्राधिकरण को ब? हुए रेट प्राप्त हुए हैं। रेट रिवाइज का प्रस्ताव तैयार करने से पहले बाजार दरों का सर्वे कराया गया है। कॉस्ट इनफ्लेशन इंडेक्स और ई ऑक्शन के आधार पर प्राप्त दरों को ध्यान में रखते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए विभिन्न परिसंपत्तियों की आवंटन दरों में 5 फीसदी से का इजाफा किया गया है। सेक्टरों की कैटेगरी व प्लॉट साइज के हिसाब से उसी अनुपात में दरों में वृद्धि की गई है।

लिगेसी प्रोजेक्ट की पॉलिसी से अब तक 35494 को मिला मालिकाना हक

ग्रेटर नोएडा। अमिताभ कांत समिति के सिफारिशों के आधार पर रियल एस्टेट के लिगेसी प्रोजेक्ट्स की अ?चनों को हल करने के लिए लाई गई पॉलिसी/पैकेज का अब तक 98 में से 77 बिल्डर परियोजनाओं को लाभ मिला है। इन परियोजनाओं को पूरा कर खरीदारों को उनका आशियाना देने का रास्ता साफ हुआ है। इन 77 परियोजनाओं में शामिल लगभग 76 हजार फ्लैटों में से अब तक 35494 फ्लैटों की रजिस्ट्री हो चुकी है।

दरअसल, ग्रेटर नोएडा के कुल 98 प्रोजेक्ट्स हैं जो कि अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों पर तैयार पॉलिसी के दायरे में आते हैं। इनमें से 77 परियोजनाओं के लिए 25 फीसदी धनराशि (पूर्ण व आंशिक मिलाकर) जमा कराई गई, जिससे प्राधिकरण को लगभग 1014 करो? की बकाया धनराशि प्राप्त हुई है और एक वर्ष में लगभग 1864 करो? रुपये की धनराशि प्राप्त होने की उम्मीद है। इन 77 परियोजनाओं में 76 हजार फ्लैट हैं, जिनमें से 40003 के लिए कार्यपूर्ति प्रमाणपत्र जारी किया गया है, जिसमें से 35494 फ्लैटों की रजिस्ट्री अब तक हो चुकी है। वहीं जिन बिल्डरों ने इस पॉलिसी का लाभ लेकर भी 25 प्रतिशत धनराशि जमा नहीं की है, उनके विरुद्ध अंतिम नोटिस भी जारी किया गया है। प्राधिकरण चेयरमैन ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से बड़ी संख्या में फ्लैट खरीदारों के नाम रजिस्ट्री कराने की सराहना की।

स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनेगा सेंटर फॉर एक्सीलेंस, आरएफपी पर बोर्ड की मुहर

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम को सेंटर फॉर एक्सीलेंस बनाने के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल डॉक्यूमेंट पर प्राधिकरण बोर्ड ने मुहर लगा दी है। दरअसल, कॉम्प्लेक्स में लॉन टेनिस, बास्केट बॉल, बैडमिंटन, स्केटिंग, फुटबाल, क्रिकेट व मल्टी जिम आदि खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं। वर्तमान समय में सिर्फ सदस्यों के लिए निर्धारित शुल्क के भुगतान पर खेल सुविधाओं का उपयोग करने का प्रावधान है। आम जनता इसका लाभ नहीं ले पा रही। खेल एकेडमी न होने के कारण सदस्यों व आमजन को खेलों का लाभ नहीं मिल पा रहा। इसे ध्यान में रखते हुए शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को सेंटर फॉर एक्सीलेंस बनाए जाने के लिए प्रस्ताव बोर्ड के समक्ष रखा गया, जिससे मंजूरी दे दी हैं।

शाहबेरी एलिवेटेड रोड को ग्रेनो प्राधिकरण बोर्ड से मंजूरी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर चार से एनएच-24 तक शाहबेरी होते हुए एलिवेटेड रोड बनाने के प्रस्ताव पर भी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने मुहर लगा दी है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में आबादी तेजी से ब? रही है। आने वाले 10 वर्षों में 15 से 20 लाख आबादी रहने वाली है। नोएडा एयरपोर्ट के शुरू होने से भी यातायात का लोड ब?गा। इसे ध्यान में रखते हुए एक मूर्ति चौराहे से एनएच-24 तक एलिवेटेड रोड बनाने की योजना है। इस पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से सहमति मिल चुकी है। निर्माण में सहयोग के लिए भी एनएचएआई तैयार हो गया है। प्राधिकरण बोर्ड से अप्रूवल मिलने के बाद अब इसकी डीपीआर तैयार की जाएगी। इसे बनाने में लगभग 400 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। एलिवेटेड रोड के बनने से ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के साथ ही नोएडा, गाजियाबाद व नोएडा एयरपोर्ट आने-जाने वालों को सहूलियत होगी। इसलिए रीजलन कनेक्टीविटी रोड मानते हुए इस रोड पर होने वाले खर्च को नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यीडा और गाजियाबाद विकास प्राधिकरण मिलकर वहन करेंगे।

दादरी के समीप कार्गो टर्मिनल विकसित करने की योजना

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने दादरी के आईसीडी के समीप गति शक्ति कार्गो टर्मिनल परियोजना को मास्टर प्लान 2041 में शामिल करने पर बोर्ड ने मुहर लगा दी है। पीएम गति शक्ति योजना के अंतर्गत करीब 260 एक? भूमि पर कार्गो टर्मिनल विकसित किया जाएगा। यह भूमि पाली व मकौ?ा गांव के पास स्थित है। इससे लगभग 15 हजार लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इसके बनने से यह क्षेत्र एनसीआर रीजन का मुख्य लॉजिस्टिक हब बन जाएगा। इससे एक्सप्रेसवे और डीएफसी कॉरिडोर से माल भाड़े के आवागमन की सुविधा होगी। बोर्ड के इस फैसले को अब षासन के पास भेजा जाएगा। वहां से अप्रूवल के बाद इस पर अमल किया जाएगा।

ग्रेनो में वेस्टर्न सिडनी विवि, ईपीएफओ व कॉमर्शियल कोर्ट का रास्ता साफ

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय के टॉवर टू में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) का ऑफिस खुलेगा। इसके साथ ही एक कॉमर्शियल कोर्ट और वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय खोलने पर भी सहमति बन गई है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने इन संस्थाओं को किराए पर जगह उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। वर्तमान समय में यह टावर खाली है। प्राधिकरण का ऑफिस एडमिन ब्लॉक और टॉवर एक में चल रहा है।

फायर उपकरणों से लैस होगा अग्निशमन विभाग

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने फायर उपकरण खरीदकर अग्निशमन विभाग को दिए जाने की अनुमति दे दी है। उत्तर प्रदेश अग्निशमन तथा आपात सेवा मुख्यालय लखनऊ की तरफ से 16 जनवरी 2025 को जारी पत्र के आधार पर यह निर्णय लिया गया है। अग्निशमन विभाग ने ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में आगजनी की घटनाओं से निपटने के लिए फायर उपकरणों की मांग की है। इन उपकरणों को खरीदने पर 29.48 करोड़रुपये खर्च होंगे।

ग्रेनो में श्रमजीवी महिला छात्रावास बनाने का रास्ता साफ

ग्रेटर नोएडा में कामकाजी महिलाओं के लिए 3 श्रमजीवी श्रमजीवी महिला छात्रावास बनाए जाएंगे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने इस पर मंजूरी दे दी है। प्राधिकरण ने इकोटेक टू उद्योग विहार में दो भूखंड (क्षेत्रफल-4503 और 4650 वर्ग मीटर) और इकोटेक वन एक्सटेंशन में एक भूखंड (क्षेत्रफल-11811 वर्ग मीटर) को एक-एक रुपये सालाना की लीज पर देने का निर्णय लिया है। इससे रोजगार की तलाश में ग्रेटर नोएडा आने वाली महिलाओं को बड़ी सहूलियत हो जाएगी।

सीआरपीएफ के जवानों को ग्रेनो में मिलेगा आवास

ग्रेटर नोएडा। नोएडा एयरपोर्ट में तैनात होने वाले सीआरपीएफ के जवानों के आवास की सुविधा का निकल गया है। सीआरपीएफ के जवानों को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से निर्मित खाली फ्लैटों को किराए पर दिए जाएंगे। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के निर्देश पर शनिवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। इसके साथ ही कुछ फ्लैट सरकारी महकमों को भी आवास के परपज से आवंटित किए जाएंगे।

एमिटी के छात्रों ने दिया नशा मुक्त रहने कर संदेश

नोएडा (चेतना मंच)। छात्रों को नशीले प्रदार्थो के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए एमिटी विश्वविद्यालय में एंटी नारकोटिक्स एंड एंटी ड्रग्स अवेयरनेस सप्ताह का आयोजन किया गया। इस साप्ताहिक जागरूकता कार्यक्रम का प्रारंभ छात्रों द्वारा रैली निकालकर किया गया। इस रैली को एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला द्वारा झंडा दिखाकर रवाना किया। इस कार्यक्रम के अंर्तगत एमिटी विश्वविद्यालय में विभिन्न व्याख्यान सत्रों, जागरूकता कार्यशालाओं आदि का आयोजन किया गया।

एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला ने संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में आज कई युवा अनजाने मे, तनाव में या किसी के प्रभाव में नशीले प्रदार्थो का सेवन कर रहे है जो उनके एंव परिवार के वर्तमान और भविष्य दोनो को बर्बाद कर रहा है। किसी भी देश के विकास में युवाओं की भूमिका सबसे अहम होती है अगर हमारा युवा नशें के शिंकजे में होगा तो देश हर क्षेत्र में पिछड़ जायेगा।

इस अवसर पर छात्रों ने रैली निकालकर '' नो टू ड्रग यस टू लाइफ'', देश को बचाना है नशें को भगाना है, जो करेगा नशा उसकी होगी दुर्दशा जैसे नारे लगाते हुए पूरे कैंपस का भ्रमण किया। इस अवसर पर एमिटी विश्वविद्यालय के डा एस के श्रीवास्तव, डा एच पी सिंह, डा कल्पना शर्मा भी उपस्थित थी।

इस जागरूकता सप्ताह के अंर्तगत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसमें नोएडा पुलिस के एसीपी प्रवीन कुमार, जिला तंबाकू नियंत्रण अधिकारी डा श्वेता खुराना ने जानकारी प्रदान की।

ओखला बैराज से यमुना एक्सप्रेसवे तक बनेगा नया एक्सप्रेसवे

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने अपनी 217 वीं बोर्ड बैठक में नोएडा के विकास को लेकर कई बड़े फैसले लिए हैं। बोर्ड बैठक में जहां नोएडा में जमीनों कि दरों में 6 प्रतिशत की वृद्धि की गई है वहीं जाम की समस्या से निपटने के लिए भी बड़ा फैसला लिया गया है। नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में फैसला लिया गया है कि ओखला बैराज से हिंडन यमुना दोआब होते हुए यमुना एक्सप्रेस वे तक एक नए एक्सप्रेसवे का निर्माण किया जाएगा।

आपको बता दें कि मुख्य सचिव एवं अध्यक्ष नोएडा प्राधिकरण मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में नोएडा प्राधिकरण की 217वीं बोर्ड बैठक हुई। इस बोर्ड बैठक में नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर लोकेश एम, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रवि कुमार एनजी तथा गौतमबुधनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं बोर्ड के अन्य सदस्य मौजूद रहे। बोर्ड बैठक में नोएडा के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए तथा कई योजनाओं को आगे बढ़ाने के निर्णय हुए। इस बोर्ड बैठक में नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के वैकल्पिक मार्ग के लिए यमुना मार्जिनल बंद रोड के समांतर एक्सप्रेसवे के निर्माण को मंजूरी दी गई। यह एक्सप्रेसवे एलिवेटेड और ऑन ग्राउंड रूप में बनकर तैयार होगा। नोएडा प्राधिकरण द्वारा बनाए जाने वाले इस एक्सप्रेसवे से दिल्ली हरियाणा की ओर जाने वाला तथा ग्रेटर नोएडा यमुना एक्सप्रेसवे एवं अन्य शहरों को जाने वाला यातायात नोएडा में प्रवेश किए बिना ही एक्सप्रेसवे के माध्यम से गुजर सकेगा।

ओखला बैराज से हिंडन यमुना दोआब होते हुए यमुना एक्सप्रेस वे तक बनने वाले एक्सप्रेस वे के निर्माण से ग्रेटर नोएडा के पास जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की ओर जाने वाले ट्रैफिक का सुगम संचालन हो सकेगा। इस एक्सप्रेसवे से आगरा लखनऊ आसानी से जा सकेंगे। साथ ही इसके आसपास विकसित हो रही आवासीय, संस्थागत, औद्योगिक सेक्टरों एवं गांव के विकास को भी गति मिलेगी। एक्सप्रेस वे के निर्माण से नोएडा में प्रवेश करने वाले ट्रैफिक को रोका जा सकेगा तथा नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर यातायात का दबाव कम होगा साथ ही ट्रैफिक जाम से होने वाले प्रदूषण को भी नियंत्रित किया जा सकेगा।